संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 137 शुक्रवार 21 मार्च 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

पोर्नोग्राफी के खिलाफ केंद्र हुआ सख्त

ऑनलाइन अश्लील कटेंट भेजना अवैध...हो सकती है सजा...लोकसभा में सरकार का जवाब

» आईटी एक्ट के तहत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री का वितरण पूरी तरह से अवैध...

नई दिल्ली,20 मार्च 2025(ए)। ऑनलाइन पोर्नोग्राफी के खिलाफ केंद्र सरकार सख्त तेवर अपनाने की तैयारी कर रही है और इसको लेकर कड़ी कार्रवाई कर सकती है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज बुधवार को लोकसभा में बताया कि आईटी एक्ट के तहत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री का वितरण पूरी तरह से अवैध है। ऐसा करने पर सजा भी हो सकती है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में अपने लिखित जवाब में बताया कि भारत सरकार ऑनलाइन पोर्नोग्राफी के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है। नए आईटी नियमों के तहत इस तरह के ऑनलाइन कंटेंट को तेजी से हटाने का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों का मकसद अपने यूजर्स के लिए एक खुला, सुरक्षित, विश्वसनीय और जवाबदेह इंटरनेट सुनिश्चित कराना है. उन्होंने कहा कि पोर्नोग्राफी के लिए सजा भी हो सकती है. इंटरमीडिएरी को 24 घंटों के अंदर इस तरह का अश्लील कंटेट को हटाना होगा।

बाल यौन शोषण सामग्री पर सरकार की नजर

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि साइबर क्राइम से समन्वित तरीके से निपटने के लिए जांच तंत्र को और मजबूत करने के लिए, सरकार ने कई उपाय किए हैं। गृह मंत्रालय नागरिकों को सभी प्रकार के साइबर क्राइम से संबंधित शिकायतों की रिपोर्ट करने में सक्षम बनाने के लिए एक नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल संचालित करता है, जिसमें बच्चों के खिलाफ साइबर क्राइम पर खास ध्यान दिया जाता है। गृह मंत्रालय ने बच्चों के खिलाफ साइबर क्राइम समेत सभी प्रकार के साइबर क्राइम से समन्वित और व्यापक तरीके से निपटने के लिए इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर की भी स्थापना की है।

यौन शोषण को लेकर केंद्र सरकार ने बताया कि सरकार ने समय-समय पर बाल यौन शोषण सामग्री वाली वेबसाइटों को ब्लॉक किया है, जो केंद्रीय जांच ब्यूरो, इंटरपोल के लिए भारत की राष्ट्रीय नोडल एजेंसी के माध्यम से मिले इंटरपोल की सूचियों के आधार पर है। इस तरह के कंटेंट पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी), गृह मंत्रालय (एमएचए) और अमेरिका के नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन (एनसीएमईसी) के बीच एनसीएमईसी से ऑनलाइन बाल स्पष्ट सामग्री और बाल यौन शोषण सामग्री पर टिपलाइन रिपोर्ट साझा करने के संबंध में एक समझौता ज्ञापन (रूश) पर हस्ताक्षर किया गया है।

यौन सामग्री दिखाने पर सजा का प्रावधान

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,2000 के तहत इलेक्ट्रॉनिक रूप में अश्लील सामग्री और यौन रूप से स्पष्ट कृत्य वाली सामग्री को प्रकाशित या प्रसारित करने के लिए दंड का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा आईटी एक्ट में ऑनलाइन के जरिए चाइल्ड पोर्नोग्राफी को चित्रित करने वाली सामग्री को प्रकाशित या प्रसारित करने के लिए भी कठोर दंड का प्रावधान है।

सिनेमैटोग्राफ एक्ट 1952 और सिनेमैटोग्राफ (सर्टिफिकेशन) रूल्स 1983 के प्रावधानों के अनुसार स्वस्थ मनोरंजन तय करने के लिए, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी),वयस्क फिल्मों सहित फिल्मों के सार्वजनिक प्रदर्शन को नियंत्रित करता है। उनके द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, जो फिल्में गैर-वयस्कों के लिए प्रदर्शन के लिए सही नहीं मानी जाती हैं,उन्हें केवल वयस्क दर्शकों के लिए प्रदर्शन के लिए प्रमाणित किया जाएगा।

इसके अलावा आईटी एक्ट 2021 ऑनलाइन क्यूरेटेड कंटेंट के पब्लिशर्स के लिए आचार संहिता तय करता है, जिन्हें आमतौर पर OTT प्लेटफॉर्म के रूप में जाना जाता है. इस कोड के तहत ह्वञ्ज्ञ प्लेटफॉर्म को निर्दिष्ट आयु-उपयुक्त श्रेणियों में सामग्री को क्लासीफाइड करना, बच्चों द्वारा आयु-अनुचित सामग्री तक पहुंच को रोकना और वयस्क के रूप में क्लासीफाइड के लिए आयु सत्यापन तंत्र को लागू करना जरूरी है।

महत्वपूर्ण खबर

13 महीने बाद पंजाब पुलिस ने खाली कराया खनौरी और शंभू बॉर्डर

डल्लेवाल सहित 700 किसान हिरासत में...

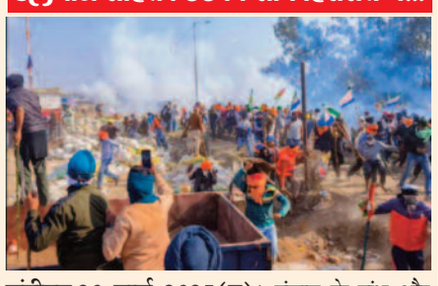

चंडीगढ़,20 मार्च 2025(ए)। पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर 13 महीने से फसलों पर एमएसपी सहित कई मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे किसान नेताओं पर बुधवार की रात पुलिस ने बड़ा एक्शन लेते हुए शंभू और खनौरी बॉर्डर से किसानों को हटा दिया। पुलिस ने किसानों के शेड और मंच पर बुलडोजर चला दिया।

700 किसानों को लिया हिरासत में

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खनौरी सीमा पर करीब 700 किसानों को हिरासत में लिया गया है। वहीं पंजाब पुलिस ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंधेर को मोहाली में हिरासत में ले लिया। इस दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों के बीच झड़प भी हुई। पटियाला के स्सक्कनानक सिंह ने कहा किसान लंबे समय से शंभू बॉर्डर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

पेट दर्द से पीड़ित युवक ने ऐसी हरकत कर डाली...देखकर डॉक्टर भी हैरत में पढ़ गए

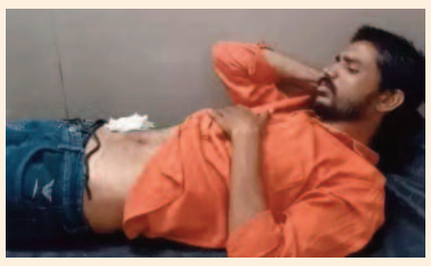

मथुरा,20 मार्च 2025(ए)। यूपी के मथुरा में एक युवक के पेट में दर्द उठा तो उसने ऐसे काम किया जिसे जानकार डॉक्टर भी दंग रह गए। दरअसल, ये युवक खुद से ही अपने पेट का ऑपरेशन करने का प्रयास करने लगा, वो भी यूट्यूब से वीडियो देखकर। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल, मामला चर्चा का विषय बना हुआ है. आपको बता दें कि पूरा मामला मथुरा जिले के वृंदावन का है, जहां एक युवक द्वारा पेट दर्द के चलते अपने आप ही पेट को काट कर ऑपरेशन करने का प्रयास किया गया। जब युवक की हालत बिगड़ी तो आनन-फानन में उसको परिजनों द्वारा जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

औरंगजेब आज प्रासंगिक नहीं रास्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

नई दिल्ली,20 मार्च 2025(ए)। नागपुर में मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को लेकर छिड़े विवाद के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरफ़ से अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर का बयान सामने आया है। उन से पूछा गया कि क्या अभी भी औरंगजेब प्रासंगिक है? उन्होंने कहा,किसी भी तरह की हिंसा समाज के लिए अच्छी नहीं है। पुलिस ने इस पर एक्शन लिया है। पुलिस इसकी जांच कर रही है, साथ ही मुगल बादशाह को लेकर उन्होंने कहा,औरंगजेब प्रासंगिक नहीं है।क्रस्स् की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की 3 दिवसीय बैठक 21 से 23 मार्च तक कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शुरू होने जा रही है। कल ही औरंगजेब कब्र विवाद को लेकर महाराष्ट्र के नागपुर से बवाल की खबर सामने आई थी। यहां दो गुटों में पथराव के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई थी।

नितिन गडकरी का बड़ा ऐलान

6 महीने में पेट्रोल वाहनों की कीमतों जैसे होंगे EV वाहनों के दाम

नई दिल्ली,20 मार्च 2025(ए)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि छह महीने के भीतर देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतें पेट्रोल वाहनों के बराबर हो जाएंगी।

32वें कन्वर्जेंस इंडिया और 10 वें स्मार्ट सिटीज इंडिया एक्सपो को संबोधित करते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि 212 किलोमीटर लंबे दिल्ली-देहरादून एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य अगले तीन महीनों में पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा,छह महीने के भीतर इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत पेट्रोल वाहनों की लागत के बराबर हो जाएगी। मंत्री ने कहा कि सरकार की नीति आयात विकल्प, लागत प्रभावशीलता, प्रदूषण मुक्त और स्वदेशी उत्पादन है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए देश को अपने बुनियादी ढांचे क्षेत्र में सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा,अच्छी सड़कें बनाकर हम अपनी रसद लागत को कम कर सकते हैं। नितिन गडकरी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था का भविष्य बहुत अच्छा है और सरकार स्मार्ट शहरों और स्मार्ट परिवहन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा,हम बिजली पर आधारित तीव्र जन परिवहन पर काम कर रहे हैं। नितिन गडकरी ने सड़क निर्माण की लागत कम करने के लिए नई प्रौद्योगिकी और नवाचार को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

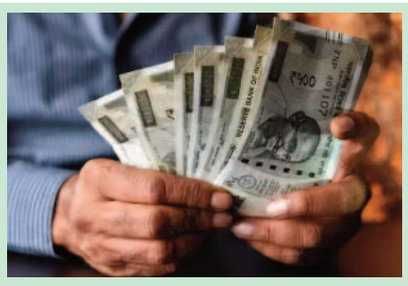

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर

पेंशन योजना का नया नोटिफिकेशन जारी,1 अप्रैल से भरना होगा फॉर्म

नई दिल्ली,20 मार्च 2025(ए)। पेंशन कोष नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने गुरुवार को एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को अमल में लाने वाली अधिसूचना जारी कर दी।

योजना के तहत सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीनों में मिले औसत मूल वेतन की 50 प्रतिशत राशि को सुनिश्चित पेंशन के तौर पर देने का प्रविधान है। यह अधिसूचना राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत आने वाले केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए सरकार द्वारा 24 जनवरी, 2025 को जारी यूपीएस अधिसूचना का अनुसरण करती है। पीएफआरडीए ने बयान में कहा कि यूपीएस से संबंधित नियम एक अप्रैल, 2025 से लागू हो जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के 2 भांजों के बीच गोलीबारी,एक का मर्डर

» पानी के विवाद में दो भाइयों की ओर से चलाई गई गोली

भागलपुर,20 मार्च 2025 (ए)। बिहार के भागलपुर में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के भांजे की गोली मारकर हत्या हो गई है। बताया जा रहा है कि पानी के विवाद में दो भाइयों की ओर से गोली चलाई गई जिसमें एक भाई जगजीत की इलाज के दौरान मौत हो गई।

दूसरा भाई और उनकी मां भी गोली लगने से घायल बताई गई है। घटना नवगछिया के परबत्ता थाना के जगतपुर गांव की है। स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के दो भांजे, जयजीत यादव और विश्वजीत यादव के बीच मामूली विवाद के बाद गोलीबारी हो गई। दोनों को समझाने में मां बीच में आ गई। दोनों ओर से की गई गोलीबारी में तीनों को गोली लग गई। तीनों को भागलपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया जहां विश्वजीत यादव की मौत हो गई। जयजीत की हालत भी गंभीर बताई जा रही है। उनकी मां के हाथ में गोली लगी है।

जानकारी के मुताबिक गुरुवार के अहले सुबह सप्लाई वाले नल पर पानी भरने को लेकर हुए दोनों भाइयों में विवाद के बीच विवाद हुआ और गोली चल गई। गोलीबारी में विश्वजीत यादव उर्फ विकल यादव की मौत हो गई जबकि गोली लगने से पूर्व मुखिया जयजीत यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। लगभग चार पांच राउंड गोली चलने की बात बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गुरुवार के सुबह सप्लाई वाले नल से विश्वजीत यादव पानी भर रहा था जिसका जयजीत यादव ने विरोध किया। उसने कहा कि नल हमारा है हम पानी नहीं भरने देंगे। इसी बात पर दोनों में तू तू मैं-मैं के बाद लड़ाई शुरू हो गई और विवाद के बीच विश्वजीत यादव ने जयजीत यादव को गोली मार दी।

गोली लगने से बौखलाए जयजीत यादव ने विश्वजीत का हथियार छीनकर उस पर भी फायरिंग कर दिया। घटना के बाद दोनों को आनन फानन में भागलपुर में डा. एन के यादव के नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया जहां विश्वजीत यादव उर्फ विकल को मृत घोषित कर दिया। वही जयजीत यादव का इलाज जारी है। घटना के वरीय पुलिस पदाधिकारी भी भागलपुर जाकर घायलों से पूछ ताछ कर रहे है। घायल मुखिया जयजीत यादव का अपराधिक इतिहास भी रहा है। उनपर हत्या के कई मामले दर्ज है। घटना को लेकर वरीय पुलिस अधिकारियों के बीच भी बौखलाहट है। यह भी बताया जा रहा है कि दोनों के बीच वर्षों से विवाद चल रहा है।

हाई कोर्ट का अहम फैसला,प्राइवेट पार्ट छूना और नाड़ा तोड़ना दुष्कर्म नहीं

इलाहाबाद,20 मार्च 2025(ए)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि नाबालिग के वक्ष का स्पर्श और वस्त्र का नाड़ा तोड़ने की घटना दुष्कर्म के प्रयास की श्रेणी में नहीं आती, बल्कि इसे 'गंभीर यौन उत्पीड़न' माना जाएगा। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की एकल पीठ ने इस मामले में कासगंज के विशेष न्यायाधीश (पोक्सो कोर्ट) के समन आदेश में संशोधन किया और नए सिरे से समन जारी करने का निर्देश दिया।

कोर्ट का निर्णय और कानूनी पहलू

हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि दुष्कर्म के आरोप में जारी समन विधिसम्मत नहीं है। मामला पटियाली थाने में दर्ज हुआ था, जिसमें याचिकाकर्ता आकाश, पवन और अशोक पर भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 376 और पोक्सो अधिनियम की धारा 18 के तहत मुकदमा दर्ज था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि इन आरोपियों के खिलाफ अब IPC की धारा 354-बी (निर्वस्त्र करने के इरादे से हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और पोक्सो अधिनियम की धारा 9/10 (गंभीर यौन हमला) के तहत मुकदमा चलेगा।

क्या था मामला?

अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपियों ने 11 वर्षीय पीड़िता के वक्ष को स्पर्श किया, उसके वस्त्र का नाड़ा तोड़ दिया और उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश की। हालांकि, राहगीरों के हस्तक्षेप से वे भाग निकले। कोर्ट ने यह भी कहा कि मामले के तथ्यों के आधार पर यह दुष्कर्म के प्रयास का अपराध नहीं बनता।

86 साल की महिला को 2 महीने रखा डिजिटल अरेस्ट

» बुजुर्ग महिला से ठग लिए 20 करोड़ रुपये

मुंबई, 20 मार्च 2025(ए)। साइबर फ्रॉड का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आयाहै। एक बुजुर्ग महिला को करीब 2 महीने तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 20 करोड़ रुपये ठग लिए। इस दौरान महिला को डराया, धमकाया और बच्चों को गिरफ्तार करने की तक की धमकी दे दी। पुलिस ने इस मामले पर एक्शन लेते हुए 2 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

महिला को कॉल करने वाले ने खुद का नाम संदीप राव बताया और कहा कि वह एक सीबीआई ऑफिसर है। इसके बाद उसने आरोप लगाए कि विक्टिम महिला के नाम और डॉक्यूमेंट का इस्तेमाल करके एक बैंक अकाउंट है, जिसका इस्तेमाल गैर कानूनी एक्टिविटी में किया है। उस बैंक खाते के जरिए मनी लाउड्रिंग और जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल को रुपये भेजे हैं।फेक सीबीआई ऑफिसर ने महिला को बताया कि इस केस को ष्ठक्रढ्ढ को सौंप दिया गया है और कंप्लेंट दर्ज हो चुकी है। इसके बाद आरोपी ने महिला को धमकाया कि उसके पास अरेस्ट वॉरेंट है। आरोपी ने विक्टिम महिला को बताया कि वह अगर जांच में सहयोग नहीं करेंगी तो पुलिस उनके घर पर पहुंच जाएगी। इसके बाद विक्टिम महिला से जांच के नाम पर बैंक डिटेल्स और अन्य जरूरी डिटेल्स मांगी गई। इसके बाद महिला को डिजिटल अरेस्ट किया गया। यह केस करीब 2 महीने तक चलता रहा।फेक सीबीआई अफसर और राजीव रंजन फेक नाम के शख्स महिला को 2-3 घंटे के दौरान कॉल करते और उनकी लोकेशन पूछते। इसके बाद विक्टिम महिला को बताया कि अगर आपको अपना नाम इस केस से हटवाना है, तो उसका एक प्रोसेस है। इसके बाद विक्टिम महिला को बताया कि उनको अपने बैंक अकाउंट में मौजूद सभी रकम को कोर्ट के अकाउंट में ट्रांसफर करनी होगी। साइबर ठगों ने एक फर्जी वादा भी किया जांच पूरी होने के बाद उनके रुपये वापस कर दिए जाएंगे, हालांकि इसके बाद उनको कुछ वापस नहीं मिला। इसके बाद 4 मार्च को उन्होंने स्वढ्ढक्र दर्ज कर कराई, जिसके बाद पुलिस ने 20-20 साल के दो लोगों को मीरा रोड से गिरफ्तार किया।

विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने बदली रणनीति

खरगे-राहुल ने नेताओं को दिया नया टॉस्क

नई दिल्ली,20 मार्च 2025(ए)। अपने संगठनात्मक ढांचे को दुरूस्त करने की पहल शुरू करने के बाद कांग्रेस सियासत बदलने के भरोसे और तेवरों के साथ राज्यों के चुनावी मैदान में उतरने की रणनीति को सिरे चढ़ाने की कसरत करती दिख रही है। इसे आगे बढ़ाने के लिए पार्टी हाईकमान ने खुद चुनावी राज्यों के कांग्रेस नेताओं के साथ चुनाव की तैयारियों और रणनीति पर मंत्रणाओं का सिलसिला शुरू कर दिया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद बीते एक महीने के दौरान पंजाब,केरल,पश्चिम बंगाल से लेकर मणिपुर जैसे राज्यों के पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर शीर्ष नेतृत्व ने चुनावी चर्चा की है। इन चर्चाओं में कांग्रे नेतृत्व ने राज्य इकाईयों को दो टूक संदेश दिया है कि पार्टी अपने चुनावी हितों से किसी तरह का समझौता नहीं करेगी।

बार में शराब परोस सकेंगी महिलाएं,विधेयक हुआ पारित

कोलकाता,20 मार्च 2025 (ए)। पश्चिम बंगाल में महिलाएं अब बार में काम कर सकेंगी. इसके लिए विधानसभा में विधेयक पारित किया गया है। अब महिलाओं को बार में शराब परोसने की अनुमति होगी। इसमें बंगाल आबकारी अधिनियम, 1909 में संशोधन किया गया है। ताकि, ON कैटेगरी की शराब की दुकानों में महिलाओं के रोजगार दिया जा सके और यहां पर उनके काम करने पर रोक को हटाया जा सके।

इस तरह के रोक को भेदभाव के नजरिये से देखा जा रहा था. ऐसे में अब जो महिलाएं बार में काम करना चाहेंगी वो अपनी मर्जी से यहां जा सकती हैं। पश्चिम बंगाल वित्त विधेयक, 2025 को राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने विधानसभा में पेश किया।

महिलाओं और पुरुषों में भेदभाव नहीं करती सरकार

क्या है ऑन कैटेगरी?

ऑन कैटेगरी बार/शॉप ऐसी जगह होती है, जहां पर शराब को वहीं उसी जगह पर पीने की अनुमति होती है और उसे वहीं परोसा जाता है. ये ऑफ कैटेगरी की दुकानों से बिल्कुल अलग है। ऑफ कैटेगरी में शराब की दुकान में शराब पीने की अनुमति नहीं होती है. यहां से कस्टमर शराब लेकर जा सकते हैं।

चंद्रिमा भट्टाचार्य ने विधेयक पर चर्चा का करते हुए कहा कि राज्य सरकार पुरुषों और महिलाओं के बीच भेदभाव में विश्वास नहीं करती है। उन्होंने कहा कि विधेयक के दूसरे प्रावधानों के अलावा, यह राज्य सरकार को अवैध शराब बनाने की रोकथाम के लिए गुड़ सहित और भी दूसरे कच्चे माल की आपूर्ति की निगरानी करने का अधिकार देता है। विधेयक बंगाल कृषि आयकर अधिनियम, 1944 में भी संशोधन किया जाएगा।

ताकि,यहां पर चाय उद्योग, विशेष रूप से छोटे चाय बागानों को कर में राहत दी जा सके। खासतौर पर महामारी के बाद से जो चाय उद्योग में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। उन लोगों को इस विधेयक के जरिए मदद की जा सके.उन्होंने कहा कि इन विधेयकों के प्रावधानों को लागू करने में किसी भी तरह का आर्थिक फायदा शामिल नहीं है।

संपादकीय

शांति की संभावना कम

जब सऊदी अरब में अमेरिका और रूस के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के वार्ता हुई थी,तो उस समय रूस ने साफ कहा था कि वह युद्धविराम नहीं,बल्कि शांति का संपूर्ण समझौता चाहता है,जिसमें उसके सुरक्षा हितों की गारंटी हो। अमेरिका ने यूक्रेन को युद्धविराम पर राजी करने के बाद कहा कि गेंद अब रूस के पाले में है'। यूरोपीय नेताओं ने भी सऊदी अरब में हुई अमेरिका-यूक्रेन वार्ता के नतीजों का स्वागत करते हुए यही बात दोहराई है। राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेन्स्की के युद्धविराम पर राजी होने से प्रसन्न डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन के लिए सैनिक मदद फिर शुरू कर दी है। बहरहाल, जेलेन्स्की के बदले ताजा रुख से सचमुच लड़ाई रुकने की संभावना कम ही है। इसलिए कि इसके पहले जब सऊदी अरब में ही अमेरिका और रूस के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के वार्ता हुई थी,तो उस समय रूस ने साफ कहा था कि वह युद्धविराम नहीं,बल्कि शांति का संपूर्ण समझौता चाहता है,जिसमें उसके सुरक्षा हितों की गारंटी हो। इसका अर्थ है कि पहले उन कारणों को दूर करने पर सहमति बने,जिनकी वजह से युद्ध हुआ। इनमें नाटो में यूक्रेन की सदस्यता सर्व-प्रमुख है। रूस के नजरिए में सिर्फ युद्धविराम से यूक्रेन को हथियार जुटाने और अगली लड़ाई के लिए पुनर्संगठित होने का मौका मिलेगा,जिसे वह नहीं देना चाहता। ऐसी सूरत में लड़ाई रुकने की संभावना तभी बनेगी, अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप व्यक्तिगत रूप से 30 दिन के युद्धविराम के अंदर संपूर्ण शांति समझौता का भरोसा रूस को दिलाएं। उनके प्रशासन ने हथियारों की सप्लाई दोबारा शुरू कर यह काम ज्यादा कठिन बना दिया है।अमेरिका- यूक्रेन की वार्ता के बाद रूसी राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि प्रस्तावित संघर्ष-विराम उन्हें मंजूर है या नहीं, इस पर टिप्पणी करने से पहले उन्हें इस बारे में अमेरिका से जानकारी मिलना जरूरी है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ट्रंप के बीच फोन कॉल की संभावना पर उन्होंने कहा कि जरूरत पडने पर इसकी बहुत जल्द व्यवस्था की जा सकती है। यानी रूस को अपेक्षा है कि वार्ता के परिणामों की जानकारी खुद ट्रंप पुतिन को देंगे। इस बीच रूस ने कुरुस्क क्षेत्र में यूक्रेनी बलों पर बड़ी सफलता पाई है।

मंच सजे हैं...पर कठपुतलियां गायब

बदले परिवेश में यह पारंपरिक कला लगातार उपेक्षा की शिकार होकर विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई है। पहले गांव-गांव में कठपुतली को धागे से नचाने वाले कलाकार थे,जो अब अंगुलियों पर गिनने लायक रह गए हैं।

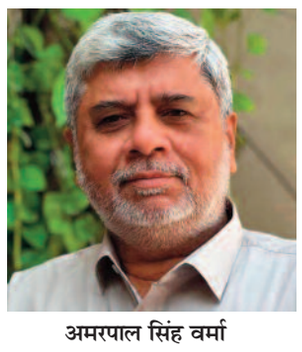

अमरपाल सिंह वर्मा
हनुमानगढ़,राजस्थान

राजस्थान अपनी रंग-बिरंगी लोक संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। प्रदेश की लोक संस्कृति अपने में लोक कलाओं के कईरंग समेटे हुए है। यहां की लोक कलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है कठपुतली कला। सदियों से यह कला न केवल लोक मनोरंजन का माध्यम रही है बल्कि सामाजिक संदेशों, ऐतिहासिक घटनाओं और लोकगाथाओं को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम भी रही है। लेकिन बदले परिवेश में यह पारंपरिक कला लगातार उपेक्षा की शिकार होती चली गई है और धीरे-धीरे विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई है। पहले गांव-गांव में कठपुतली को धागे से नचाने वाले कलाकार थे, जो अब अंगुलियों पर गिनने लायक रह गए हैं। विभिन्न मंच तो अब भी सजते हैं पर कठपुतलियां गायब हैं।

कुछ दशक पहले तक कठपुतली कला न केवल स्वस्थ मनोरंजन का जरिया थी, बल्कि लोक शिक्षा का माध्यम भी थी। कोई भी मेला कठपुतली के बिना अधूरा ही माना जाता था। इंसान के इशारे पर नाचने वाली इन बेजान कठपुतलियों ने जहां राजा-महाराजाओं की वीरता की कहानियां जन-जन तक पहुंचाई, वहीं लोक में प्रचलित विभिन्न प्रेम कहानियों को भी विख्यात बनाया। सामाजिक कुरीतियों और रूढ़ियों के प्रति जागरूकता जगाने में कठपुतली कला का बड़ा योगदान रहा है। अशिक्षित आम जन तक नैतिक शिक्षाओं और सामाजिक संदेशों को विशिष्ट भाव-भंगिमाओं और चुटीले संवादों के जरिए जितने सरल और प्रभावी तरीके से इन कठपुतलियों ने पहुंचाया, लोक कलाओं में वैसा दूसरा उदाहरण मिल पाना मुश्किल है। बीस-तीस साल पहले तक कठपुतली का महत्व बरकरार था पर जैसे-जैसे मनोरंजन के आधुनिक साधनों का आगमन हुआ, यह अनूठी कला धीरे-धीरे हाशिए पर चली गई। पहले लोग मनोरंजन के पास चलकर जाते थे लेकिन जब केबल टीवी के तार के जरिए मनोरंजन घर तक पहुंचने लगा तो स्थितियां बदलने लग गईं। हजारों टेलीविजन चैनलों, सिनेमा, इंटरनेट और सोशल मीडिया के बढ़ते असर से पारंपरिक लोक कलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं। पूरा दिन स्मार्ट फोन में घुसे रहने वाले लोग कठपुतली प्रदर्शन देखने जाएंगे, यह सोचना भी व्यर्थ लगता है।

बदलते परिदृश्य की सर्वाधिक मार कठपुतली नचाने वाले कलाकारों पर पड़ी है। दर्शकों के अभाव में उन्हें कठपुतली के जरिए जीवन-यापन करना भी मुश्किल हो गया है। इन लोक कलाकारों अब न तो नियमित रूप से कार्यक्रम मिलते हैं और न ही पर्याप्त सरकारी सहयोग मिल पाता है। उपेक्षा के शिकार हुए कई कलाकार यह कला छोड़कर मजदूरी करने अथवा अन्य काम-धंधों की ओर जाने को विवश हो गए हैं। नई पीढ़ी इस कला को अपनाने में रुचि नहीं ले रही है। कठपुतली कला में भविष्य की कोई संभावना न पा कर लोक कलाकारों की नई पीढ़ी इसे पेशे के रूप में नहीं अपना रही है। अब जयपुर,चित्तौड़गढ़ आदि में ही चंद कठपुतली कलाकार सक्रिय बचे हैं, जो लुप्त हो रही इस पारंपरिक कला को बचाने की पुकार लगा रहे हैं मगर इसे सुनने वाला कोई नहीं है।

राजस्थान में सरकारी और गैर सरकारी संगठनों की ओर से कठपुतली कला के संरक्षण के लिए कुछ प्रयास जरूर किए गए हैं लेकिन वे धरातल पर प्रभावी नहीं हो पाए हैं। इस कला को बढ़ावा देने और इसके संरक्षण के लिए जरूरी योजनाओं और संसाधनों का अभाव है। कठपुतली कला किस प्रकार जीवित रह सकती है, इस बारे में समाज के विभिन्न वर्गों को सोचना चाहिए। सरकार को कठपुतली कलाकारों के लिए आर्थिक सहायता, प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रदर्शन के लिए मंच उपलब्ध कराने के लिए आगे आना चाहिए। देश के विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभाग इस कला को अपने सांस्कृतिक आयोजनों का अभिन्न हिस्सा बनाएं तो इसके संरक्षण की उम्मीद पैदा हो सकती है। आज जब सब कुछ डिजिटल हो रहा है तो कठपुतली कला को क्यों पीछे रखा जाए। कठपुतली कलाकारों को सोशल मीडिया,यूट्यूब और अन्य डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग करके अपने प्रदर्शन को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो ऑनलाइन स्ट्रीमिंग और डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से कलाकारों को नाम और दाम दोनों मिल सकते हैं। इसी प्रकार स्कूलों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में कठपुतली कला को जोडक़र बच्चों में इस कला के प्रति रुचि बढ़ाई जा सकती है। विभिन्न विषयों को कठपुतली नाटकों के माध्यम से पढ़ाना भी रुचिकर हो सकता है। लोक महोत्सवों और मेलों में कठपुतली कलाकारों को नियमित रूप से आमंत्रित किया जाए तो यह कला न केवल जीवित रह सकती है बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए जा सकते हैं।

राजस्थान की कठपुतली कला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है बल्कि यह राज्य की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी है। कभी सबकी कहानी कहने वाली कठपुतलियां अब खुद किस्सा बनती जा रही हैं। अगर इसे उपेक्षित छोड़ दिया गया तो यह अतीत का हिस्सा बनकर रह जाएगी। इसका संरक्षण न केवल एक प्राचीन कला को बचाने का प्रयास होगा बल्कि यह काम कलाकारों को आजीविका प्रदान करने एवं हमारी सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने का भी एक प्रभावी तरीका बन सकता है। बड़ा सवाल यह है कि क्या हम इस अनमोल विरासत को लुप्त हो जाने देंगे या इसे पुनजीर्वित करने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास भी करेंगे?

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

धैर्य की जीत

घटती-घटना

श्याम सुंदर साहू
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

किसी से कम नही होती है बेटिया
बेटी सुनीता ने कमालकर दिखाया
अदभुत साहस का परिचय दिया
सबका सीना गर्व से चौड़ा हो गया।
मन में दृढ़ संकल्प हो तो कुछ भी
असंभव नहीं दुनिया को सिखाया
कठिनाइयों के आगे झुकना नहीं
बेटी ने लोगों को प्रेरक संदेश दिया।
बेटी ने अपने देश का मान बढ़ाया
आत्मविश्वास से सपना सच किया
अंतरिक्ष में विजय पताका लहराया
धैर्य रख सभी का दिल जीत लिया।

वृक्षों के बिना,जीवन की कल्पना करना मुश्किल

मानवता और पृथ्वी के अस्तित्व हेतु वनों और पेड़ों के महत्त्व के विषय में जागरूकता बढ़ाने के लिये प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। इसे विश्व वन दिवस या वर्ल्ड फॉरेस्ट्री डे के रूप में भी जाना जाता है। यह दिवस वनों के महत्व और उनके संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस का हम सभी के जीवन में बहुत महत्व रखता है,क्योंकि वनों का अस्तित्व मानव के अस्तित्व से भी जुड़ा हुआ है। वन हमारे जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करते हैं। वृक्षों के बिना, जीवन की कल्पना करना मुश्किल है पृथ्वी पर एक जटिल पारिस्थितिकी तंत्र हैं जिसमें पेड़ , झाड़ियाँ, घास और बहुत कुछ शामिल हैं। वनों के घटक जो पेड़ और पौधे हैं,वनों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। इसके अलावा,वे एक स्वस्थ वातावरण बनाते हैं ताकि जानवरों की विभिन्न प्रजातियाँ प्रजनन कर सकें और वहाँ खुशी से रह सकें। इसलिए, हम देखते हैं कि कैसे जंगल जंगली जानवरों और पक्षियों के लिए एक निवा स्थान हैं। वन्यजीवों के लिए उपयोगी होने के अलावा, वन मानव जाति को बहुत लाभ पहुँचाते हैं और उनका बहुत महत्व है। वनों का महत्ववन पृथ्वी के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र को कवर करते हैं। वे किसी भी क्षेत्र के लिए एक महान प्राकृतिक संपत्ति हैं और उनका बहुत महत्व है। उदाहरण के लिए, वन हमारी लकड़ी,ईंधन,चारा,बांस और बहुत कुछ की सभी ज़रूरतों को पूरा करते हैं। वे हमें कई तरह के उत्पाद भी देते हैं जो बहुत ज़्यादा वाणिज्यिक और औद्योगिक मूल्य रखते हैं। जंगल हमें कागज, रेयान, गोंद, औषधीय दवाओं और अन्य जैसे विभिन्न उत्पादों के लिए बड़ी संख्या में कच्चे माल देते हैं। इसके अलावा, जंगल एक महत्वपूर्ण आबादी के लिए रोजगार का एक प्रमुख स्रोत भी हैं । उदाहरण के लिए, लोग उनकी सुरक्षा, कटाई , पुनर्जनन, कच्चे माल के प्रसंस्करण और बहुत कुछ में शामिल हैं।इसके अलावा, वन हमारे ग्रह की भौतिक विशेषताओं को संरक्षित करने के लिए काफी हद तक जिम्मेदार हैं। वे मिट्टी के कटाव की निगरानी करते हैं और इसे होने से रोकते हैं। इसके अलावा, वे नदियों को निरंतर बहने देकर बाढ़ को कम करते हैं। इससे, बदले में, हमारी कृषि को काफी हद तक मदद मिलती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वन्यजीवों के लिए आवास हैं। वे उन्हें आश्रय और भोजन प्रदान करते हैं। इसलिए, वनों की रक्षा करना और हरियाली तथा टिकाऊ भविष्य के लिए वन क्षेत्र को बढ़ाना बहुत महत्वपूर्ण है। सुधार,जब हम वन क्षेत्र की बात करते हैं, तो हमारा तात्पर्य केवल नए पेड़ लगाने से नहीं होता, बल्कि क्षरित वन भूमि में सुधार से भी होता है। इमारती लकड़ी और गैर-लकड़ी वनों की मांग को पूरा करने के लिए, हमें वन क्षेत्र को बढ़ाने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।जंगल खत्म हो रहे हैं और पेड़ों की कटाई तेजी से हो रही है। इंसानों की दूसरी जरूरतों को पूरा करने के लिए हम बड़ी तस्वीर को भूल रहे हैं। लोगों को वन क्षेत्र को कम करने के बजाय उसे बढ़ाने के लिए कदम उठाने चाहिए। सरकार को पेड़ों की कटाई को नियंत्रित करना चाहिए। हमें ऐसे कठोर तरीके अपनाने चाहिए जिससे पेड़ों की फिर से वृद्धि सुनिश्चित हो सके। इस तरह हम दोनों जरूरतों को पूरा कर पाएंगे।इसके अलावा, हमें जंगल की आग को नियंत्रित करना चाहिए। हमें नवीनतम तकनीकों को अपनाना चाहिए जो आग से लड़ने में अधि कुशलता से मदद करेगी। इससे पेड़ों और जानवरों को और अधिक नुकसान होने से रोका जा सकेगा।

-संजय गोस्वामी-

कविता

रिस्तों की कदर

घटती-घटना

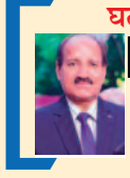

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं,जि0बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश

बदला ज़माना रिश्तों में आ गई खटास
आज रिश्तों का बना रहे सब उपहास
दिखावा ज्यादा हो गया रिश्तों की
नहीं रही कदर
धीरे धीरे खत्म हो रही रिश्तों की मिठास
क्यों भाई भाई का दुश्मन बन बैठा
ज़मीन जायदाद का ऐसा चला खेल
दूर हो गए एक दूसरे से खून के रिश्ते
कड़वाहट है मन में मुश्किल है होना मेल
आदमी अपने में ही जी रहा
दूसरे की नहीं परवाह
पैसा रुतवा जब आ गया
अहंकार पहुंचा आसमान
मैं हो गई भारी घमंड में हो रहा चूर
करतूतें तेरी छुप नहीं सकती
देख रहा भगवान
कोई ज़माना था जब रिश्तों पर
सब कुछ थे लुटाते
बड़ी शिद्दत से रिश्ते थे निभाये जाते
रुतवा पैसा सब देखा जाने लगा है
अब रिश्तों में
अब कृष्ण और सुदामा जैसे
रिश्ते कहाँ हैं नज़र आते

खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेषों की बढ़ती समस्या

सत्यवान सौरव
भीवानी,हरियाणा

खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेष कीटनाशकों की छोटी मात्रा होती है जो फसलों पर इस्तेमाल किए जाने के बाद खाद्य पदार्थों पर या उनके भीतर रह जाती है। ये अवशेष संभावित रूप से स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकते हैं,जो विशिष्ट कीटनाशक और उसकी सांद्रता पर निर्भर करता है। भारत वैश्विक स्तर पर कीटनाशकों के शीर्ष उपभोक्ताओं में से एक है, जो फसलों को कीटों और बीमारियों से बचाने के लिए कृषि में इनका बड़े पैमाने पर उपयोग करता है। हालाँकि,भोजन में कीटनाशक अवशेषों का पता लगाना एक महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभरा है। शोध से पता चलता है कि भारत में अधिकतर खाद्य पदार्थों में ये अवशेष मौजूद हैं, जिनमें से कुछ का स्तर सुरक्षित सीमा से अधिक है। यह स्थिति गंभीर स्वास्थ्य चिंताएँ पैदा करती है और बेहतर खाद्य सुरक्षा विनियमों और अधिक सार्वजनिक जागरूकता की आवश्यकता को उजागर करती है। खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेषों की निगरानी के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय रणनीति के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री द्वारा हाल ही में की गई अपील भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा को बढ़ाने के लिए महत्त्वपूर्ण है। कीटनाशकों से खाद्य पदार्थों का संदूषण एक गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है, जो आधुनिक खेती प्रथाओं और रसायनों के लापरवाह उपयोग से और भी बदतर हो जाता है। हालाँकि कई नियम उपाय मौजूद हैं, फिर भी निगरानी, प्रवर्तन और सार्वजनिक शिक्षा में कमियाँ हैं, जिसके लिए केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर अधिक मज़बूत सरकारी कार्यवाही की आवश्यकता है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) और विभिन्न स्वतंत्र अध्ययनों की रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में जाँचे गए 50 प्रतिशत से अधिक खाद्य नमूनों में कीटनाशक अवशेष पाए गए हैं। कुछ खाद्य पदार्थ, जैसे सब्ज़ियाँ, फल, अनाज, दालें और मसाले, विनियामक निकायों द्वारा निर्धारित अधिकतम अवशेष सीमा (MRL) से अधिक पाए गए हैं। कीटनाशकों का उपयोग फसलों पर कीटों,कवक और खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है और उन्हें पानी, मिट्टी और हवा के माध्यम से ले जाया जा सकता है, जिससे आस-पास की फसलें प्रभावित होती हैं। इसके अतिरिक्त, भंडारण और परिवहन के दौरान खराब होने से बचाने के लिए कुछ कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। सेब, अंगूर, स्ट्रॉबेरी, पालक, टमाटर और आलू जैसे आम फलों और सब्जियों में अक्सर कीटनाशकों के महत्त्वपूर्ण अवशेष होते हैं। चावल, गेहूँ, दाल और छोले जैसे मुख्य खाद्य पदार्थों में भी हानिकारक कीटनाशक हो सकते हैं। हल्दी, धनिया और जीरा जैसे मसालों में कभी-कभी कीटनाशक का स्तर सुरक्षित सीमा से ज़्यादा हो सकता है। कीटनाशक अवशेषों वाले भोजन का सेवन करने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं, जो जोखिम की मात्रा और अवधि के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अल्पकालिक प्रभावों में मतली,चक्कर आना, सिरदर्द और एलर्जी सम्बंधी प्रतिक्रियाएँ शामिल हो सकती हैं, जबकि दीर्घकालिक जोखिम के परिणामस्वरूप कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, तंत्रिका सम्बंधी विकार और बच्चों में विकास सम्बंधी समस्याएँ जैसी गंभीर स्थितियाँ हो सकती हैं।

खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेषों के लंबे समय तक संपर्क में रहने से कैंसर, तंत्रिका सम्बंधी समस्याएँ, हार्मोनल व्यवधान, प्रजनन सम्बंधी चुनौतियाँ और कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली सहित कई स्वास्थ्य समस्याएँ होती हैं। कीटनाशक हमारी मिट्टी, पानी और हवा को भी प्रदूषित करते हैं, जो जैव विविधता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। खेती के क्षेत्रों में प्रतिबंधित कीटनाशकों की निरंतर मौजूदगी लंबे समय तक मिट्टी की गिरावट में योगदान देती है। इसके अतिरिक्त, कृषि में उपयोग किए जाने वाले हानिकारक रसायन मधुमक्खियों जैसे परागणकों को नुक़सान पहुँचा सकते हैं, पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ सकते हैं और फ़सल की पैदावार कम कर सकते हैं। बच्चों और गर्भवती महिलाओं को इन विषाक्त पदार्थों से विशेष रूप से ख़तरा होता है। समय के साथ, कीटनाशक मानव शरीर में जमा हो सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप संभावित रूप से पुरानी स्वास्थ्य स्थितियाँ हो सकती हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण खाद्य सुरक्षा और मानक (संदूषक, विषाक्त पदार्थ और अवशेष) विनियम, 2011 के माध्यम से खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेषों की निगरानी करता है, जो जोखिम के वैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर विभिन्न कीटनाशकों के लिए अधिकतम अवशेष सीमा (MRL) निर्धारित करता है। हालाँकि, कीटनाशकों के व्यापक उपयोग और अपर्याप्त निगरानी के कारण इन विनियमों को लागू करना चुनौतीपूर्ण है। हाल ही में, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरणने खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए मसालों और पाक जड़ी बूटियों के लिए विशिष्ट अधिकतम अवशेष सीमा पेश किए हैं। राष्ट्रीय मानकों को अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के साथ संरेखित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जैसे कि कोडेक्स एलिमेंटेरियस आयोग द्वारा स्थापित किए गए।

भारत में बड़े पैमाने पर कीटनाशक अवशेषों का पता लगाने में सक्षम उन्नत परीक्षण प्रयोगशालाओं की कमी है। अधिकांश परीक्षण सुविधाएँ शहरी केंद्रों में स्थित हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उत्पादों की निगरानी को जटिल बनाती हैं। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 कीटनाशकों के लिए अधिकतम अवशेष सीमा (MRL) स्थापित करता है, लेकिन इन मानकों का पालन अक्सर कम होता है। अन्य देशों में प्रतिबंधित कई कीटनाशकों को अभी भी भारत में कानूनी रूप से अनुमति दी गई है। किसान और व्यापारी अक्सर फलों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए रासायनिक स्प्रे का सहारा लेते हैं, जैसे कि आमों पर कार्बाइड का उपयोग करना। इसके अतिरिक्त, मछली और मांस को संरक्षित करने के लिए फॉर्मेलिन जैसे हानिकारक पदार्थों का उपयोग किया जाता है, जो उपभोक्ताओं के लिए दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। दूध, दालें और सब्जियाँ विशेष रूप से उन रसायनों से दूषित होने की चपेट में हैं, जिनका उद्देश्य उनकी उपस्थिति और शेल्फ़ लाइफ़ को बेहतर बनाना है। कई किसान सुरक्षित कीटनाशक प्रथाओं के बारे में अच्छी तरह से नहीं जानते हैं और अत्यधिक जहरीले, प्रतिबंधित रसायनों का उपयोग करना जारी रखते हैं। उपभोक्ताओं में कीटनाशक जोखिम को कम करने के लिए उचित धुलाई तकनीकों या वैकल्पिक तरीकों के बारे में जागरूकता की कमी है। हालाँकि जैविक खाद्य पदार्थों की माँग बढ़ रही है, लेकिन अपर्याप्त प्रमाणन प्रक्रियाओं के कारण अक्सर इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं। परीक्षण और निगरानी एजेंसियाँ भ्रष्टाचार से ग्रस्त हैं, जो असुरक्षित खाद्य उत्पादों को बाज़ार में घुसपैठ करने की अनुमति देता है। कई व्यवसाय रिश्वत के माध्यम से नियमों से बचते हैं, जिस से अधिकारियों के लिए खाद्य सुरक्षा मानकों को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

उपभोक्ता हानिकारक कीटनाशक अवशेषों के संपर्क में आने से बचने के लिए कई तरह के क़दम उठा सकते हैं। फलों और सब्जियों को बहते पानी के नीचे अच्छी तरह से धोकर शुरू करें; उन्हें छीलने से अवशेषों का स्तर और भी कम हो सकता है। सिरका या नमक के साथ पानी के घोल में उपज को भिगोने से भी कीटनाशक अवशेषों को हटाने में मदद मिल सकती है। खाना पकाने से कुछ कीटनाशक अवशेष टूट सकते हैं, जिससे उनका प्रभाव कम हो सकता है। आम तौर पर, जैविक खाद्य पदार्थों में पारंपरिक रूप से उगाए जाने वाले विकल्पों की तुलना में सिंथेटिक कीटनाशक अवशेषों का स्तर कम होता है। कुछ वस्तुओं, जैसे केले, एवोकाडो और प्याज में स्वाभाविक रूप से कम कीटनाशक अवशेष होते हैं। भारत में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक रणनीति की आवश्यकता है। सख्त नियम और निगरानी आवश्यक है; सरकारी एजेंसियों को अधिकतम अवशेष सीमा (स्तर) को प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए और खाद्य उत्पादों का नियमित परीक्षण करना चाहिए। जैव कीटनाशकों और एकीकृत कीट प्रबंधन (IPM) के उपयोग को बढ़ावा देने से रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। कीटनाशकों से जुड़े जोखिमों और सुरक्षित खाद्य हैंडलिंग प्रथाओं के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने से जोखिम को और कम किया जा सकता है। कीटनाशक प्रबंधन विधेयक,2020 को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और हानिकारक कीटनाशकों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। स्वीकृत कीटनाशकों की सूची की समीक्षा करना और उन कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाना भी महत्त्वपूर्ण है जिन्हें खतरनाक माना जाता है और जिन्हें अन्य देशों में प्रतिबंधित किया गया है।

राज्य खाद्य सुरक्षा विभागों और कृषि विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को बढ़ावा दें ताकि एक सुसंगत निगरानी प्रणाली स्थापित की जा सके। विभिन्न राज्यों में प्रमाणित खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की संख्या बढ़ाएँ और कृषि उत्पादों का यादृच्छिक निरीक्षण लागू करें। खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में कीटनाशकों के उपयोग की निगरानी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और ब्लॉकचेन तकनीक का लाभ उठाएँ। अत्याधुनिक परीक्षण सुविधाओं की स्थापना के लिए प्रोत्साहन देकर निजी कंपनियों को खाद्य परीक्षण में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। जैविक खेती के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करें और किसानों को जैव कीटनाशकों और प्राकृतिक उर्वरकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें। रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन (ढ्ढक्रू) रणनीतियों को अपनाएँ। किसानों को सुरक्षित कीटनाशक अनुप्रयोग विधियों, फ़सल चक्रण प्रथाओं और टिकाऊ कृषि तकनीकों के बारे में शिक्षित करें। खाद्य उत्पादों पर कीटनाशक अवशेषों और उनके संभावित स्वास्थ्य प्रभावों का खुलासा करने वाले लेबलिंग को अनिवार्य करें। खाने से पहले भोजन को धोने और डिटॉक्सीफाई करने के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करें। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले खाद्य आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने के लिए उपभोक्ता संरक्षण नियमों को मज़बूत करें। कीटनाशक संदूषण के दोषी पाए जाने वाले व्यवसायों पर सख्त दंड लगाएँ। खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में अवैध कीटनाशक प्रथाओं की रिपोर्ट करने वाले व्यक्तियों के लिए व्हिसलब्लोअर सुरक्षा बढ़ाएँ। खाद्य सुरक्षा नियमों के लगातार प्रवर्तन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य एजेंसियों के बीच सहयोग में सुधार करें।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कविता

रोती थी,मां,क्यों ?

घटती-घटना

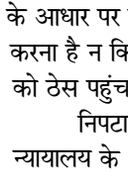

डॉ.मुश्ताक अहमद
हरदा
मध्यप्रदेश

लोग रहते हैं महा नगरों में
कैसे सिमटे सिमटे ,
गांव में आंगन मुहब्बत का
हम छोड़ आये हैं ,
इमारतें कितनी हैं यहाँ की
देखिए ऊंची ऊंची ,
गांव में धूप अहले सुबह की
हम छोड़ आये हैं ,
सहमा हुआ मजबूर सा
लगता है बूढ़ा आदमी ,
पेड़ पीपल का और नीम भी
ठंडी छोड़ आये हैं,
यहां तो नज़र आता है शोर
कल और पुर्जों का ,
गाय माता,बैल जोड़ी और
हल छोड़ आये हैं ,
रोती थी मां क्यों ? जब हम
परदेश को आये थे ,
बाबा की आँखों में टपकते
मोती छोड़ आये हैं ,
तेरी यादें तो पागल हैं ,
और दीवानी,सी मुश्ताक़ ,
कहानी दादी की और रेंगता
बचपन छोड़ आये हैं ,

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

CMYK

मायके से लौटने के दो घंटे के अंदर नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

मणिपुर थाना क्षेत्र के भड्डापारा में बुधवार की सुबह नवविवाहिता की फांसी के फंदे पर लटकी लाश मिली है। परिजन का कहना है कि ससुराल वाले दहेज के लिए उसे प्रताड़ित करते थे। दहेल में बोलेरो व बुलेट की मांग कर रहे थे। मृतका के परिजन ने ससुराल वालों पर उसकी हत्या कर फांसी पर टांगने का आरोप लगाया है। परिजन ने मणिपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्राम ओखरगड़ा पचफेड़ी थाना मेराला जिला गढ़वा,झारखंड निवासी रोशनी उम्र 22 वर्ष की शादी तीन माह पूर्व अंबिकापुर के मणिपुर थाना क्षेत्र के भड्डापारा निवासी अक्षय पासी से हुई थी। रोशनी के मायके वालों का कहना है कि शादी के बाद वह पहली होली मनाने पति के साथ मायके गई थी। मायके में होली मनाकर बुधवार की सुबह करीब 6 बजे पति के साथ ससुराल पहुंची। सकुशल ससुराल पहुंचने की जानकारी रोशनी अपने पिता को फोन कर बताई। इसके आधे घंटे बाद पुनः अपने पिता के मोबाइल पर फोन कर बताई की यहां सबलोग मेरे साथ मारपीट कर रहे हैं। इसके आधे घंटे बाद पुनः रोशनी का देवर उसके पिता के मोबाइल पर फोन कर बताया कि भाभी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। बेटी की शादी की हाथ की मेहंदी अभी पूरी तरह मिटी भी नहीं थी कि उसके इस दुनिया से जाने की खबर मिलने पर परिजन सदमे में आ गए। मायके वाले अंबिकापुर पहुंचे। पिता व भाई ने नम आंखों से रोशनी के पार्थिव शरीर को देखा तो मानों पैर तले जमीन खिसक गई। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। परिजन का कहना है कि पूरे शरीर काला पड़ा हुआ था। मानो लोगों ने डंडे से उसकी बेदम पिटाई की है। मृतका के भाई विनोद ने मणिपुर थाने में लिखित शिकायत की है। उसने आरोप लगाया है कि शादी के दौरान हमलोग दहेज के रूप में दो लाख रुपए नकद व अन्य सामान दिया था। शादी के बाद रोशनी के पति अक्षय, ससुर उमेश पासी, सास गिरजा देवी देवर नान्हू पासी व ननद मंदा देवी व चंदा देवी ने दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित करते थे। दहेज में बोलेरो व बुलेट की मांग कर रहे थे। दहेज को लेकर उसके साथ मारपीट करते थे। होली में मेरे घर पहुंच थे। वहां भी अक्षय ने दहेज की मांग कर रहा था। हमलोगों द्वारा समझा-बुझा कर वापस भेजा गया था। यहां पहुंचते ही उसके साथ दहेज को लेकर प्रताड़ित करते हुए मारपीट करने लगे। मारपीट कर उसका गला दबाकर हत्या कर फांसी पर लटका दिया है।

छत्तीसगढ़ आयुर्वेद अधिकारी संघ जिलाध्यक्ष बने डॉ. आशुतोष

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ आयुर्वेद अधिकारी संघ जिला शाखा संयुक्त सरगुजा का त्रैवार्षिक निर्वाचन संपन्न हुआ। जिसमें सर्व सम्मति से निर्विरोध जिलाअध्यक्ष पद के लिये डॉ. आशुतोष कुमार सिंह को पुनः एक बार निर्वाचित किया गया है। डॉ. आशुतोष सिंह आयुष विंग जिला चिकित्सालय अम्बिकापुर में विशेषज्ञ (आयुष) के पद पर पदस्थ हैं। वहीं

उपाध्यक्ष पद के लिए डॉ. छविराम नरवरिया, सचिव डॉ. कुलदीप द्विवेदी,कोषाध्यक्ष डॉ. रकेश कुमार शुक्ल चुने गए हैं। इस निर्वाचन कार्य को संपादित कराने के लिए धमतरी जिले से केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में डॉ. अवध पचौरी उपस्थित थे, इसके साथ ही बलरामपुर, सूरजपुर एवं अम्बिकापुर जिले के समस्त आयुष चिकित्सक इस चुनाव कार्य में भाग लिए।

बाइक सवार नगाबपोश बदमाशों ने महिला से लूटे 20 हजार रूपए

- सवाददाता -

अंबिकापुर,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)। सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सोंतराई मोड़ के पास गुरुवार की दोपहर बाइक सवार दो नगाबपोश बदमाशों ने महिला से 20 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए। महिला सहकारी बैंक से रुपए निकालकर अपने परिचित के साथ बाइक से घर जा रही थी। महिला ने मामले की रिपोर्ट सीतापुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कर रही है।

जानकारी के अनुसार ललीता गुप्ता सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम खड़ादोरना की रहने वाली है। वह गुरुवार को सहकारी बैंक सीतापुर में रुपए निकालने गई थी। बैंक से 20 हजार रुपए निकालकर अपने परिचित के साथ बाइक से घर जा रही थी। रास्ते में सोंतराई मोड़ के पास जैसे ही पहुंची थी बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने महिला के हाथ से रुपए का थैला लूटकर फरार हो गए। महिला अपने परिचित के साथ बाइक से बदमाशों का पीछा भी की पर वे तेज रफ्तार में भागने में सफल रहे। महिला ने मामले की रिपोर्ट सीतापुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

सेंट्रल जेल के बैरक में मिले थे मोबाइल व गांजा,तीन जेल प्रहरी निलंबित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

सेंट्रल जेल अंबिकापुर के बैरक में मोबाइल व गांजा पाया गया था। जेल अधीक्षक ने मामले की जांच कराई थी। जांच में कार्य में लापरवाही पाए जाने पर जेल अधीक्षक ने तीन जेल प्रहरियों पर कार्रवाई करते हुए निलंबित कर दिया है।

17 मार्च को जेल अधीक्षक योगेश सिंह ने जेल के बैरकों की जांच की। इस दौरान वहां कई प्रतिबंधित सामान मिले। जांच के दौरान सूरजपुर दोहरा हत्याकांड के

आरोपी कुलदीप साहू के बैरक के टॉयलेट में मोबाइल व गांजा मिला। इसी बैरक में दुर्ग का कुख्यात बदमाश दीपक नेपाली भी रहता है। दीपक नेपाली को महादेव सट्टा ऐप से जुड़े मामले में रायपुर के जेल से अंबिकापुर सेंट्रल जेल में 4 महीने पहले शिफ्ट किया गया था। कुख्यात बदमाशों के बैरक में मोबाइल व गांजा किस माध्यम से पहुंचा, इसकी अधीक्षक द्वारा जांच की जा रही है। 17 मार्च की सुबह 6 से 10 बजे तक जेल प्रहरी भूपेन्द्र अयाम,नरेंद्र वर्मा,अरूण कश्यप की उच्च सुरक्षा वार्ड में बंदियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए ड्यूटी लगाई गई थी। उक्त दिनांक को उच्च सुरक्षा वार्ड की तलाशी के दौरान प्रतिबंधित सामग्री पाया गया था। जेल प्रहरियों द्वारा दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही पाए जाने पर जेल अधीक्षक योगेश सिंह ने कार्रवाई करते हुए तीनों जेल प्रहरियों को निलंबित कर दिया है।

कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

स्वास्थ्य विभाग में नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी किए जाने के मामले में गांधीनगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार दिनेश यादव गांधीनगर का रहने वाला है। 3 वर्ष पूर्व इसकी जान पहचान पवन समीर से हुई थी। उस समय पवन समीर अंबिकापुर केन्द्रीय विद्यालय में शिक्षक था। पवन ने दिनेश के लडक़े का स्वास्थ्य विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर नौकरी लगवा देने की बात बोला था। इसके लिए वह 10 लाख रुपए की मांग की थी। झांसे में आकर दिनेश अपने बेटे की नौकरी लगवाने के लिए पवन को 10 लाख

रुपए कई किश्तों में दिया था। रुपए लेने के कुछ दिन बाद पवन ने दिनेश के बेटे के नाम से एक नियुक्ति पत्र दिया और उसे रायपुर जाकर ज्वाइनिंग देने की बात कही। दिनेश का बेटा जब रायपुर ज्वाइनिंग करने पहुंचा तो पता चला की उक्त नियुक्ति पत्र फर्जी है। नौकरी नहीं लगने पर दिनेश ने रुपए की मांग करने लगा। काफी दबाव डालने पर पवन ने कई बार में कुल 6 लाख वापस किया था। शेष 4 लाख रुपए नहीं दे रहा था। परेशान होकर दिनेश ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी पवन समीर पिता डॉ. होतीलाल उम्र 40 निवासी एमआईजी 623 आवास विकास कालोनी सेक्टर 7 बोदला आगरा हाल मुकाम क्वाटर नंबर 313 केंद्रीय विद्यालय स्टाफ कालोनी देवखैनी पीएसी के पास रामघाट रोड अलीगढ़ उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

विद्युत विभाग की लापरवाही उजागर...डॉक्टर को लगाने पड़े चक्कर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

नेशनल लोक अदालत में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है,जिसमें जिले के विद्युत विभाग की कारगुजारी ने सभी को चौंका दिया। यह मामला एक ऐसे बिजली बिल से जुड़ा है,जिसका भुगतान तीन साल पहले ही कर दिया गया था, फिर भी पीड़ित, जो पेशे से चिकित्सक हैं, को नेशनल लोक अदालत के चक्कर काटने पड़े।

मामला अंबिकापुर शहर के निवासी और चिकित्सक डॉ. श्रीकांत सिंह चौहान से जुड़ा है। डॉ. चौहान ने वर्ष 2019 में अपने घर के निर्माण के दौरान विद्युत विभाग से एक अस्थायी (टेम्परेरी) बिजली कनेक्शन लिया था। 2021 में घर बनकर तैयार होने के बाद उन्होंने स्थायी कनेक्शन के लिए आवेदन किया। नियमों के अनुसार,स्थायी कनेक्शन मिलने से पहले अस्थायी कनेक्शन के पूरे बिल का भुगतान करना जरूरी था। डॉ. चौहान ने बिल का भुगतान किया,लेकिन इसके लिए उन्हें 5 हजार रुपये की जगह 8 हजार रुपये देने पड़े। रसीद मांगने पर विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने कहा कि 5 हजार रुपये की रसीद उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर आएगी, जबकि बाकी 3 हजार रुपये 'मिस्त्रियों के खर्चे' के लिए हैं। पीड़ित का कहना है कि विद्युत विभाग के कर्मचारी ऐसे पैसे मांगते हैं, मानो यह कंपनी उनकी पैतृक संपत्ति हो।

विद्युत विभाग की गलती से 35,000 रुपये का बकाया नोटिस

हैरानी की बात तब हुई, जब विद्युत विभाग ने उसी अस्थायी

कनेक्शन के लिए 35,000 रुपये से अधिक का बकाया बिल दिखाते हुए मामला नेशनल लोक अदालत में डाल दिया। डॉ. चौहान को जब लोक अदालत से नोटिस मिला,तो वे हैरान रह गए। उनका कहना है कि अस्थायी कनेक्शन का पूरा भुगतान करने के बाद ही उन्हें स्थायी कनेक्शन मिला था,फिर यह बकाया कहां से आ गया? नोटिस में ब्याज सहित 35,000 रुपये से अधिक की राशि चुकाने की बात कही गई थी। डॉ. चौहान ने कहा,अगर मेरे पास भुगतान का सबूत न होता, तो मुझे यह भारी-भरकम राशि चुकानी पड़ती।

लोक अदालत में विद्युत विभाग को लगी फटकार

नेशनल लोक अदालत में जब डॉ. चौहान अपने भुगतान के पूरे सबूत लेकर जज के सामने पेश हुए, तो विद्युत विभाग के अधिकारियों के पास कोई जवाब नहीं था। अपनी गलती स्वीकार करते हुए विभाग ने मामले को तुरंत सेटलमेंट कर लिया। हालांकि,इस पूरी प्रक्रिया से डॉ. चौहान को काफी परेशानी हुई। उन्होंने बताया कि अपने व्यस्त शेड्यूल से समय निकालकर लोक अदालत में उपस्थित होना पड़ा,जिसके लिए वे विद्युत विभाग को जिम्मेदार ठहराते हैं। उन्होंने विभाग की लापरवाही के खिलाफ उपभोक्ता फोरम में शिकायत करने की बात भी कही।

क्या कहते हैं पीड़ित?

डॉ. श्रीकांत सिंह चौहान ने कहा...यह बेहद निराशाजनक है कि एक भुगतान किए गए बिल के लिए मुझे इतनी परेशानी उठानी पड़ी। विद्युत विभाग की इस गैर-जिम्मेदाराना हरकत से आम जनता का विश्वास उठता है। मैं इस मामले को उपभोक्ता फोरम तक ले जाऊंगा, ताकि भविष्य में किसी और को ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े। इस घटना ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जिला पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष,उपाध्यक्ष एवं सदस्यों ने ली शपथ

जिला सीईओ ने अध्यक्ष,उपाध्यक्ष एवं सदस्यों को दिलाई शपथ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

जिला पंचायत सरगुजा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष,उपाध्यक्ष एवं सदस्यों के प्रथम सम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला सीईओ विनय कुमार अग्रवाल ने नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह,उपाध्यक्ष देव नारायण यादव सहित सभी सदस्यों ने पंचायत राज अधिनियम के तहत कार्य करने की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ दूर करने का प्रयास किया जाएगा, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुंच सके। जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह ने

अपने संबोधन में खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इस बार पुरुषों की तुलना में महिला सदस्यों की संख्या अधिक है। उन्होंने कहा कि पहले महिलाओं की जगह उनके पति जनसंपर्क करते थे, लेकिन अब महिलाओं को खुद आगे आकर जनता की सेवा करनी होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी सदस्य मिलकर जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। इस दौरान नगर पार्षद आलोक दुबे,विजय दुबे, जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा सिंह सहित कई अधिकारी और कर्मचारीसहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनता के विश्वास पर खरा उतरने का संकल्प

जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव ने कहा कि जनता ने विश्वास के साथ जनप्रतिनिधियों को चुना है इसलिए पूरी निष्ठा से क्षेत्र के विकास के लिए कार्य किया जाएगा। राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में विष्णु देव साय की सरकार है,जो क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से विकास कार्यों को और गति मिलेगी।

प्रसिद्ध चित्रकार एमएफ हुसैन की पेटिंग ने बनाया रिकॉर्ड,न्यूयॉर्क में 118 करोड़ में हुई बिक्री

न्यूयॉर्क,20 मार्च 2025। प्रसिद्ध चित्रकार एमएफ हुसैन की एक पेंटिंग 13.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 118 करोड़ रुपये) में बिकी है। एमएफ हुसैन की पेंटिंग ग्राम यात्रा ने आधुनिक भारतीय कला की सबसे महंगी पेंटिंग का रिकॉर्ड बनाया है। इस पेंटिंग को प्रसिद्ध चित्रकार के 1950 के दशक की सबसे अहम और विशाल पेंटिंग माना जाता है।

19 मार्च को न्यूयॉर्क के क्रिस्टी में इस पेंटिंग की नीलामी हुई। इससे पहले 2023 में अमृता शेरगिल की 1937 की द स्टोरी टेलर पेंटिंग की मुंबई में लगभग 7.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर (61.8 करोड़ रुपये) में नीलामी हुई थी। एमएफ हुसैन की एक ही कैनवास पर करीब 14 फीट लंबी पेंटिंग में 13 पैनल लगे हैं। इस ग्राम यात्रा का अर्थ है गांव की तीर्थयात्रा। यह हुसैन की कृतियों की आधारशिला मानी जाती है।

क्रिस्टी के साउथ एशियन मॉडर्न एंड कंटेम्परेरी आर्ट के प्रमुख निशाद अवारी ने कहा कि हम मकबूल फिदा हुसैन के काम और पूरी श्रेणी के लिए एक नया बेंचमार्क मूल्य निर्धारित करने का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं। यह एक ऐतिहासिक क्षण है और आधुनिक और समकालीन दक्षिण एशियाई कला बाजार की असाधारण ऊपर की ओर प्रगति को जारी रखता है।

1954 में ही नार्वे चली गई थी पेटिंग एमएफ हुसैन की जिस पेटिंग की सबसे महंगी बिक्री हुई है, वह 1954 में ही भारत से चली गई थी। यूक्रेन में जन्मे नॉर्वे के डॉक्टर लियोन एलियास वोलोडार्स्की ने इस पेटिंग को खरीद लिया था। वे नई दिल्ली में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के लिए एक थोरैसिक सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए आए थे।

मेरा मानना है कि भारत संभवतःशुल्कों में काफी हद तक कटौती करेगा : ट्रंप

नई दिल्ली,20 मार्च 2025।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका मानना है कि अमेरिकी वस्तुओं पर भारत अपने शुल्क को कम करेगा।

हालांकि ट्रंप ने इसके साथ ही दो अप्रैल से भारत पर भी अमेरिकी शुल्क लगाने की अपनी धमकी को दोहराया।

अमेरिकी समाचार वेबसाइट 'ब्रेइटबार्ट न्यूज' के साथ साक्षात्कार में ट्रंप ने भारत के साथ अमेरिका के संबंधों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ पिछले महीने हुई वार्ता के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ उनके '' बेहद अच्छे संबंध'' हैं।

वेबसाइट ने ट्रंप के हवाले से कहा, '' लेकिन भारत के साथ मेरी एकमात्र समस्या यह है कि वह दुनिया में सबसे अधिक शुल्क लगाने वाले देशों में से एक हैं।''

उन्होंने कहा, '' मेरा मानना है कि वे... संभवतः उन शुल्कों को काफी हद तक कम करने जा रहे हैं, लेकिन दो अप्रैल से हम उनसे वही शुल्क वसूलेंगे जो वे हमसे वसूलते हैं।''

भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप-आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने विशेष रूप से चीन का उल्लेख नहीं किया, लेकिन कहा कि यह '' अद्भुत देशों का समूह है जो व्यापार पर हमें नुकसान पहुंचाने वाले अन्य देशों का मुकाबला करने के लिए एक साथ आ रहे हैं।'' ट्रंप ने मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान आईएमईसी पर हस्ताक्षर किए थे।

उन्होंने कहा, '' व्यापार में हमारे पास साझेदारों का एक शक्तिशाली समूह है।''

गौरतलब है कि ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि भारत अपने शुल्क में ''काफी कटौती'' करने पर सहमत हो गया है। उन्होंने अपना यह दावा भी दोहराया था कि अमेरिका पर भारत भारी शुल्क लगाता है, जिससे वहां उत्पाद बेचना मुश्किल हो जाता है।

हालांकि, वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने 10 मार्च को नई दिल्ली में एक संसदीय समिति को बताया कि बातचीत अब भी जारी है और भारत तथा अमेरिका के बीच व्यापार शुल्क पर अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है।

शासकीय करण मांग को लेकर पंचायत सचिव संघ का अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

- 74 ग्राम पंचायतो का कार्य हुआ ठप्प
- मोदी की गारंटी को पूरा करने अपील

- संवाददाता -
लखनपुर,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

पंचायत सचिव संघ प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह पैकरा के आवाहन पर पूरे प्रदेश भर में पंचायत सचिव संघ शासकीय कारण मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे हैं पंचायत सचिवों के हड़ताल में चले जाने से पंचायत का कार्य पूरी तरीके से ठप हो चुका है। सचिवों की प्रमुख मांग है कि उन्हें शासकीय कर्मचारी का दर्जा दिया जाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादे को पूरा किया जाए।

सचिवों का कहना है कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो वे 01 अप्रैल 2025 को रायपुर में मंत्रालय का घेराव करेंगे। लखनपुर जनपद पंचायत कार्यालय परिसर के सामने विगत 3 दिनों से चल रही इस हड़ताल में सचिवों का आक्रोश साफ नजर आ रहा है। उन्होंने सरकार से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है, ताकि ग्रामीण विकास योजनाओं का संचालन फिर से सुचारु हो सके। इस दौरान पंचायत सचिव जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष जयपाल साहू, सतनारायण सिंह, शिवनारायण सिंह, वंश राम,गजराज सोनवानी, भोजराम राजवाड़े, रामसुरत , घनश्याम सिंह, मनोज चौबे, अंकुरित राम, पुनीता सिंह, रजंती तिर्की, विनेश प्रजापति, सहित 74 ग्राम पंचायत के सचिव मौजूद रहे।

पंडो जनजाति की दो बच्चियां घर से गायब, परिजनों ने जताई अपहरण की आशंका

- संवाददाता -
बलरामपुर,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

संदिग्ध परिस्थिति में घर से पंडो जनजाति की दो बच्चियां गायब होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। यह घटना वाड्रफनगर थाना क्षेत्र की है. परिजन बच्चियों के अपहरण की आशंका जता रहे। पुलिस ने मामला दर्ज कर बच्चियों की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा कि होली के एक दिन बाद झारखंड के 2 लड़कों ने बच्चियों का अपहरण किया है। खोजबीन के बाद बच्चियों के नहीं मिलने पर परिजनों ने मामले की शिकायत थाने में की है। एएसपी विश्वदीपक त्रिपाठी ने बताया, पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ा जाएगा और सकुशल बच्चियों को बरामद कर परिजनों को सौंपा जाएगा।

शादी का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म करने के मामले मे सरगुजा पुलिस की त्वरित कार्यवाही, मामले का आरोपी किया गया गिरफ्तार

- थाना मणिपुर पुलिस टीम द्वारा आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही
- महिला सम्बन्धी अपराधों मे पुलिस टीम द्वारा की जा रही लगातार कार्यवाही

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि प्रार्थिया दिनांक 17/03/25 कों थाना मणिपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि प्रार्थिया का जानपहचान साफ सफाई का काम करने के दौरान दर्रीपारा मणिपुर निवासी आशीष साहू से हुआ था जानपहचान के बाद आरोपी आशीष साहू प्रार्थिया कों शादी करने का झांसा देकर किराये के रूम मे रखकर प्रार्थिया से जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया है।इस दौरान आशीष प्रार्थिया से कई बार जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया हैं, जिससे प्रार्थिया कों एक संतान भी हो गया हैं, अब आशिष साहू प्रार्थिया से शादी करने से इंकार कर रहा हैं एवं प्रार्थिया कों अपने साथ रखने से इनकार कर रहा हैं, मामले मे प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना मणिपुर के अप. क्र. 89/25 धारा 376 (2) (एन) भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पीड़िता का कथन लेख कर आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था, दौरान पता तलाश पुलिस टीम के सतत प्रयास से प्रकरण के आरोपी आशीष साहू कों पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम आशीष साहू आत्मज स्व. गोपाल साहू उम्र 35 वर्ष साकिन दर्रीपारा थाना मणिपुर का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर पीड़िता से जबरन दुष्कर्म की घटना कारित करना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी मणिपुर उप निरीक्षक अखिलेश सिंह, सहायक उपरीक्षक अनिल पांडे, प्रधान आरक्षक सतीश सिंह, आरक्षण उमाशंकर साहू, कुश सोनी सक्रिय रहे।

पूर्व सहायक प्रबंधक रवीन्द्रनाथ सिंह को 5 साल कारावास

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम अंबिकापुर से सूरजपुर जिले में पदस्थापना के दौरान एसीबी ने निवास में दबिश दे जब्त किया था 1.41 करोड़ की संपत्ति

आय से 1.4 करोड़ की अधिक संपत्ति अर्जित करने के एक मामले में सुनवाई करते हुए विशेष न्यायालय भ्रष्टाचार अधिनियम ममता पटेल की अदालत ने नान के तत्कालीन सहायक प्रबंधक रवीन्द्रनाथ सिंह को आरोपित धाराओं के तहत दोषी करार देते हुए पांच साल कारावास और 10 हजार रुपए अर्थदंड की सजा दी है। अर्थदंड की राशि अदा नहीं करने पर 5 माह अतिरिक्त कारावास का प्रावधान है। न्यायालयीन सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक करीब 10 वर्ष पूर्व नागरिक आपूर्ति निगम

के सहायक प्रबंधक रवीन्द्रनाथ सिंह सूरजपुर जिले में पदस्थापना ले रहे थे तभी एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने उनके अंबिकापुर स्थित निवास में दबिश देकर दस्तावेजों के अलावा चल अचल संपत्ति की भी पड़ताल करते हुए 1 करोड़ 41 लाख 15 हजार 340 रुपए की संपत्ति जब्त की थी। सहायक प्रबंधक के भतीजे और वरिष्ठ असिस्टेंट सुधीर कुमार सिंह को भी आरोपी बनाया गया था। इस मामले में एसीबी द्वारा 12 फरवरी 2016 में न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। जिसमें एसीबी ने यह आरोप लगाया था कि तत्कालीन सहायक प्रबंधक रवीन्द्रनाथ सिंह की सर्विस के दौरान वेतन के आधार पर कुल आय 37 लाख 83 हजार रुपए होनी चाहिए थी, जबकि एसीबी की पड़ताल में 7 लाख 16 हजार रुपए नगद, सोने, चांदी के आभूषण के अलावा जमीन के दस्तावेज मिले थे। एसीबी के द्वारा उनके निवास से कुल 1 करोड़ 41 लाख 15340 हजार की संपत्ति जब्त की थी। जिससे उनके आय से 1 करोड़ 4 लाख 72703 रुपए की अधिक संपत्ति का खुलासा करते हुए संपत्ति जब्त किया गया था।मामले में सुनवाई करने हुए विद्वान न्यायाधीश ने कहा है कि भ्रष्टाचार को हर हाल में हतोत्साहित करने की जरूरत है। इस टिप्पणी के साथ सभी साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोप प्रमाणित पाए जाने पर सहायक प्रबंधक रवीन्द्रनाथ सिंह को उक्त सजा दी गई।

पैसा देने के बहाने दो युवकों की घर में बुलाकर बेरहमी से पीटाई, पीडित युवकों ने पुलिस पर लगाया एक पक्षीय कार्यवाही का आरोप

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

पुरा मामला अम्बिकापुर के दर्रीपारा मोहल्ले का हैं जहां बुधवार को दो गुटो में मारपीट और पत्थरबाजी का मामला सामने आया था,पीडित आदित्य प्रताप सिंह ने बताया उसने दर्रीपारा निवासी सत्यम सिंह को 90 हजार रुपये उधार दिए थे जिसे वो काफी दिनो से सत्यम सिंह से मांगने का प्रयास कर रहा था और सत्यम के द्वारा काफी दिनो के टाल मटोल किया जा रहा था वही पैसो के लिए बार बार फोन किए जाने से सत्यम सिंह काफी नाराज भी था पीडित आदित्य ने बताया की वह अपने दोस्तो के साथ मार्केट में घुम रहा था उसी दौरान दर्रीपारा निवासी सत्यम सिंह ने फोन कर उधार का पैसा 90 हजार वापस करने के लिए अपने दर्रीपारा निवास के पास बुलाया,जिसे लेने के लिए आदित्य

अपने दोस्तो के साथ सत्यम सिंह के घर के पास पहुंच गया,आदित्य ने बताया की सत्यम सिंह के घर पर उसके अलावा ललित सोनी, हिमांशु सिंह, शैलु सिंह, सुशांत सिंह,मयंक सिंह, नमों नारायण सिंह भी मौजुद थे,जब आदित्य ने अपने पैसे की मांग की तो सत्यम सिंह यह कहते हुए की तु मेरे से पैसा वसुल पाएगा कहते हुए आदित्य से गाली गलौज करने लगा। जब आदित्य और उसके साथियों के द्वारा उनके गाली गलौज का विरोध किया गया तो सत्यम सिंह और वहां मौजुद उसके साथियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दिया और सत्यम सिंह अपने पिता नमो नारायण के साथ आदित्य प्रताप को गले में पहने चैन से उसका गला दबाने लगा, आदित्य का दम घुटता देख दोस्तो के किसी तरह उसे सत्यम सिंह और उसके पिता से उसको छुडाया, मारपीट होता देख आदित्य अपने आप को छुडाकर अपने दोस्तो के साथ वहां से भागने का प्रयास करने लगा लेकिन सत्यम सिंह उसके पिता नमो नारायण और अन्य साथियों ने सभी को रोक लिया,वही आदित्य के दोस्त कुणाल साहु ने मौका पाकर अपने बडे भाई विशाल साहु को फोन कर मारपीट और सत्यम सिंह के और उसके साथियों के द्वारा रोक लिए जाने की जानकारी दी,जानकारी मिलते ही विशाल साहु सत्यम सिंह के घर के पास पहुंचा और मामले को शांत कराने का प्रयास करने लगा,इसी दौरान सत्यम सिंह के चाचा नरेंद्र सिंह और शैलु सिंह अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंच गए और बिना बात जाने आदित्य और उसके साथियों के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया, मौका पाकर सत्यम सिंह के साथ खडे उसके पिता और साथियों ने भी घर से हथियार निकाल कर उन सभी को मारने लगे,जिससे आदित्य और उसके साथियों को गंभीर चोटे भी आई हैं। मारपीट बढता देख आदित्य अपने साथियों के साथ वहां से भागने लगा

उनको भागता देख सत्यम सिंह उसके पिता नमो नारायण चाचा नरेंद्र सिंह, ललित सोनी,हिमांशु सिंह,शैलु सिंह,सुशांत सिंह,मयंक सिंह ने उन पर ईट पत्थर और खप्पर फेंक कर मारना शुरु कर दिया,जिससे आदित्य और उसके साथियों को चोंटे भी आई,इस दौरान कीसी तरह आदित्य और उसके साथी वहां से जान बचाकर सीधे मणिपुर थाना पहुंचे,पीडितों ने मामले की जानकारी मणिपुर थाना प्रभारी को दी,पीडितों का आरोप हैं की उनके बातों को सुनने के बजाए उलटा उनके उपर ही केस दर्ज कर दिया गया, पीडितों की मांग की हैं की उनकी पक्ष को गंभीरता से लिया जाए, वारदात के जगह की सीसीटीव्ही फुटेज को खंगाला जाए और उसके आधार पर निष्पक्ष कार्यवाही की जाए।

मेडिकल कॉलेज को मिली 472.58 करोड़ की पुनरीक्षित स्वीकृति

- स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और गुणवत्ता सुधार में महत्वपूर्ण कदम

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विशेष निर्देश और स्वास्थ्य विभाग के प्रस्ताव पर वित्त विभाग ने अंबिकापुर के शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध चिकित्सालय भवन के निर्माण कार्य हेतु पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। पूर्व में इस परियोजना के लिए 374.08 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई थी। निर्माण कार्यों के दायरे में हुए विस्तार और लागत वृद्धि के बाद अब परियोजना की कुल लागत 472.58 करोड़ रुपये स्वीकृत की गई है। इस प्रकार, परियोजना लागत में 98 करोड़ रुपये से अधिक की महत्वपूर्ण वृद्धि को मंजूरी मिली है।

शेष निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा करने पर सरकार का जोर

मेडिकल कॉलेज परिसर में निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहे हैं। अब तक स्टाफ क्वार्टर,छात्रावास भवन, महाविद्यालय भवन,बाउंड्री वॉल, आंतरिक और बाह्य सड़कें,अंडरग्राउंड वाटर टैंक,

एनिमल हाउस, ड्रेनेज सिस्टम, रिटेनिंग वॉल एवं टो वॉल जैसे प्रमुख निर्माण पूरे हो चुके हैं। ये भवन चिकित्सा विभाग द्वारा उपयोग में लाए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ चिकित्सा शिक्षा को भी बढ़ावा मिल रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने अस्पताल भवन, ऑडिटोरियम, गेस्ट हाउस, बाहरी जल आपूर्ति और सीवर लाइन जैसे शेष निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को जल्द से जल्द पूरी तरह कार्यशील बनाना है, ताकि आम नागरिकों को अत्याधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।

मेडिकल कॉलेज में मिलेंगी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधारों को प्रतिबद्ध है। अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज को नवीनतम चिकित्सा उपकरणों एवं आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित किया जाएगा। इससे चिकित्सकों, मेडिकल छात्रों और मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार आएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दृढ़

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, सुधार और उन्नयन के लिए लगातार प्रयासरत है। मेडिकल कॉलेज और चिकित्सालय भवन निर्माण को गति देने के लिए राज्य सरकार हर जरूरी संसाधन उपलब्ध करा रही है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर न केवल अंबिकापुर, बल्कि आसपास के जिलों के नागरिकों को भी आधुनिक और उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वस्थ समाज, खुशहाल समाज की नींव है। हमारी सरकार नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाएं देने के लिए संकल्पित है। अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज का पुनरीक्षित बजट इस दिशा में एक ठोस और महत्वपूर्ण कदम है।

CMYK

तेरी नौकरी चली जाएगी जिस तरह से तेरा परफॉर्मेंस है ना...बीएमओ साहब को अभी तक कुछ नहीं बताया...सिआर जो भरा जाता है ना उसके बेस में तेरा नौकरी कब का चला गया होता:घूसखोर बीडीएम

दूसरे की नौकरी जाने की धमकी देने वाले घूसखोर बीडीएम की नौकरी कब जाएगी?

शासन का पैसा जो प्रोत्साहन राशि कहलाती है उसको खाते में देने के बाद पैसा प्रतिशत की वसूली का मामला

बीएमओ को नहीं थी जानकारी और उनके नाम से कोई सामुदायिक डाटा प्रबंधक स्वास्थ्य कर्मियों को डरा कर वसूल रहा था रिश्वत

रिश्वत वसूलने में इतना मशगूल थे सामुदायिक डाटा प्रबंधक की नौकरी किसी की भी खा लेंगे नहीं मिला उन्हें 65 प्रतिशत रिश्वत तो?

कर्मचारियों को धमकाने में कह रहे हैं कि बीएमओ को नहीं पता है यदि पता चल गया तो नौकरी से हाथ धो बैठोगे अब जब इनके रिश्वत 65 प्रतिशत लेने का खुलासा हो गया है तो यह नौकरी से क्यों हाथ नहीं धो रहे?

पिता से लेकर भाई-बहन सभी किसके मेहरबानी पर स्वास्थ्य विभाग में काट रहे हैं मजे?

रिश्वत लेने के मामले में अब बात सभी के संज्ञान में फिर भी कार्यवाही से वंचित कैसे हैं रिश्वतखोर सामुदायिक डाटा प्रबंधक?

क्या भाजपा जिलाध्यक्ष के करीबी है इस वजह से कार्यवाही में हो रहा है विलंब?

-रवि सिंह-
कोरिया/सोनहत,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

सामुदायिक डाटा प्रबंधक जो दूसरे की नौकरी खाने की बात कर रहा था आज जब उसी की घूसखोरी की बात वायरल ऑडियो से जाहिर हो रही है तब क्यों उसके ऊपर कार्यवाही नहीं हो रही है? जो सामुदायिक डाटा प्रबंधक सोनहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीएमओ के नाम से रिश्वत की मांग कर रहा था बीएमओ नाम से कर्मचारी को डरा रहा रहा आज उसकी नौकरी खतरे में है, एक स्वास्थ्य विभाग के ही कर्मचारी से रिश्वत की मांग कर उसकी नौकरी खाने की बात कर रहा था आज जब उसका तथाकथित ऑडियो वायरल हुआ है और बात स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य सचिव तक पहुंची है तो देखना है कि अब कितनी जल्द कार्यवाही होती है?

बता दें कि मामला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत के समुदायिक डाटा प्रबंधक से जुड़ा हुआ है जो स्वास्थ्य विभाग में जमकर वसूली कर रहा है और जिसे वसूली का खौफ भी नहीं है। वैसे बता दें कि उक्त सामुदायिक डाटा प्रबंधक के पिता सहित कई अन्य पारिवारिक सदस्य स्वास्थ्य विभाग में ही पदस्थ हैं और वह किसकी कृपा से नौकरी पाते चले गए यह भी जांच का विषय है। आज जब एक कर्मचारी से रिश्वत की बात सामने आई है तब मामला खुल रहा है कि किस तरह स्वास्थ्य विभाग में खुलेआम वसूली का खेल चल रहा है। ऑडियो वायरल करने वाला भी स्वास्थ्य विभाग का ही कर्मचारी है जिसने ऑडियो जारी कर शिकायत करी है और कार्यवाही की मांग की है।

यह है मामला...

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत में कार्यरत एक सीएचओ ने विकास खंड प्रबंधक डाटा शिवम गौतम पर 84 हजार रुपये रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता सत्यदीप भगत ने कलेक्टर,पुलिस अधीक्षक और एंटी करप्शन ब्यूरो को लिखित शिकायत दी है, जिसमें उन्होंने रिश्वत न देने पर वेतन रोकने और नौकरी से निकालने की धमकी देने की बात कही है। सारे प्रामाणिक दस्तावेज के साथ खाते में पैसे का लेनदेन सहित कई तथ्य होने के बावजूद कोरिया के सीएमएचओ साहब अभी तक कोई कार्यवाही नहीं कर पाए, यहां तक की इस मामले के लिए जांच टीम भी गठित नहीं कर पाए, जिसे लेकर दैनिक घटती घटना ने बड़ी प्रमुखता के साथ 19 मार्च को खबर प्रकाशित किया था जिसके बाद 18 मार्च के डेट पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जांच टीम गठित की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत में विकासखंड डाटा प्रबंधक (संविदा) शिवम गौतम पर लगे रिश्वतखोरी के आरोपों के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा गठित जांच समिति पर सवाल उठने लगे हैं। समिति में शामिल कुछ सदस्यों को लेकर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग में वर्षों से जमे राकेश सिंह (प्रशिक्षण एवं मानव संसाधन, संविदा) और राकेश महिलांगे (सहायक ग्रेड-03) को जांच समिति में शामिल किए जाने पर कर्मचारियों ने कड़ी आपत्ति जताई है। आरोप है कि दोनों अधिकारियों के आरोपी से घनिष्ठ संबंध हैं, जिससे निष्पक्ष जांच पर संदेह जताया जा रहा है। कर्मचारियों का मानना है कि यदि निष्पक्ष जांच करानी है, तो समिति में ऐसे अधिकारियों को शामिल किया जाना चाहिए जिनका आरोपी से कोई संबंध न हो।

सोनहत में स्वास्थ्य विभाग में अवैध वसूली का बड़ा खुलासा,कार्रवाई की मांग तेज

-संवाददाता-
सोनहत,09 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने जिला कोरिया के सोनहत विकासखंड में स्वास्थ्य विभाग में हो रही अवैध वसूली का सनसनीखेज मामला उजागर किया है। संघ ने जिला कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को पत्र लिखकर इस मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

संघ के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष श्री रविंद्र तिवारी ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि सोनहत के विकासखंड डाटा प्रबंधक (संविदा) शिवम गौतम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) से अवैध रूप से वसूली कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि ब्लॉक में तैनात 13 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को शासन द्वारा निर्धारित प्रोत्साहन राशि के भुगतान में जबरन अवैध कटौती की जा रही है। इस राशि का 65 प्रतिशतहिस्सा खंड चिकित्सा अधिकारी सोनहत के नाम पर मांगा जा रहा है।

धमकी देकर की जा रही अवैध वसूली

संघ के अनुसार, शिवम गौतम द्वारा सीएचओ कर्मचारियों को एपीएआर(सीआर) खराब करने और नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। कर्मचारियों पर मानसिक दबाव बनाकर उनकी प्रोत्साहन राशि से अवैध वसूली की जा रही है। यदि कोई कर्मचारी इस अवैध मांग को पूरा नहीं करता है, तो उसे तरह-तरह से प्रताड़ित किया जाता है।

प्रमाणों के साथ कार्रवाई की मांग

संघ ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एक सक्षम जांच समिति के गठन की मांग की है, जिसमें संघ के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए। संघ ने यह भी कहा है कि उनके पास कॉल रिकॉर्डिंग, ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के स्क्रीनशॉट और अन्य दस्तावेजों के रूप में पुख्ता सबूत मौजूद हैं, जिन्हें जांच समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

संघ ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि 10 दिनों के भीतर इस मामले में उचित जांच और दोषियों पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन उग्र और चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। संघ ने इस मामले में खंड चिकित्सा अधिकारी सोनहत को निलंबित करने और विकासखंड डाटा प्रबंधक शिवम गौतम की संविदा सेवा समाप्त करने की भी मांग की है।

स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप

इस खुलासे के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। कर्मचारी संघ की इस गंभीर शिकायत ने शासन और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और क्या दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होती है या नहीं।

भाजपा के नए जिलाध्यक्ष को पिता-पुत्र दोनों देने पहुंचे थे बधाई...क्या जांच में भी आ रही अड़चन इसकी वजह?

भाजपा के नए जिलाध्यक्ष को सामुदायिक डाटा प्रबंधक अपने पिता के साथ बधाई देने पहुंचे थे। क्या उनकी जांच के बीच आ रही अड़चन की वजह यही है। अब मामला जो भी हो,भाजपा के नए जिलाध्यक्ष को भी जांच के लिए अब कहना चाहिए क्योंकि मामला किसी के भविष्य को खराब करने से जुड़ा हुआ है, अब देखना है क्या भाजपा जिलाध्यक्ष इस मामले में जांच के लिए आगे आकर न्याय की पैरवी करते हैं?

एक संविदा कर्मी जब इतना रिश्वत लेता है तो फिर उसका अधिकारी कितना रिश्वत लेता होगा?

स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत संविदा कर्मचारी है उक्त बीडीएम जिसकी रिश्वतख़ोरी की ऑडियो वायरल हुई है,अब इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्वास्थ्य विभाग में एक संविदा कर्मचारी जब इतना रिश्वत मांग रहा है तो अधिकारियों का हिस्सा क्या होता होगा।

पूरा परिवार स्वास्थ्य विभाग में कर रहा नौकरी...क्या नौकरी भी जुगाड़ से मिली है या फिर सही में यह पात्र थे...

जिस सामुदायिक डाटा प्रबंधक सोनहत के ऊपर रिश्वतखोरी का आरोप लगा है उसका पूरा परिवार स्वास्थ्य विभाग में नौकरी कर रहा है। अब यह संयोग है योग्यता वाला या फिर जुगाड से सभी नौकरी पाए हुए हैं यह भी अब जांच का विषय है। सभी परिवार के सदस्य नौकरी के लिए पात्र थे कि नहीं यह जांच आवश्यक है।

पहले सिर्फ पिता थे स्वास्थ्य विभाग में अब दो बेटे सहित एक बेटी भी स्वास्थ्य विभाग में दे रही सेवा

सूत्रों का कहना है की सामुदायिक डाटा प्रबंधक सोनहत के पिता ही पहले मात्र स्वास्थ्य विभाग में नौकरी में थे अब दो बेटों सहित एक बेटी भी स्वास्थ्य विभाग में सेवा दे रही है। क्या यह मात्र संयोग है या जुगाड इसकी जांच भी जरूरी है। विगत वर्षों में स्वास्थ्य विभाग में फर्जी डिग्री के आधार पर नौकरी की कई शिकायत सामने आ चुकी है।

रिश्वतखोरी की प्रदेश स्तर तक बात पहुंचाने के बाद भी जांच व कार्यवाही कछुए की चाल में क्यों?

सामुदायिक डाटा प्रबंधक सोनहत की रिश्वतखोरी की बात प्रदेश स्तर तक पहुंच चुकी है लेकिन जांच कछुए की चाल से चल रही है। अब ऐसा क्यों है यह भी सोचने वाली बात है। जब सरकार रिश्वत मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है तो सोनहत के बीडीएम साहब पर क्यों मेहरबानी उन्हें भी तत्काल कार्यवाही की जद में क्यों नहीं ले रहा विभाग।

स्वास्थ्य विभाग में गहराया विवाद,कर्मचारियों में रोष

स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों में इस पूरे घटनाक्रम को लेकर भारी आक्रोश है। कर्मचारियों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग के स्थापना शाखा से जुड़े कुछ पुराने अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रभाव इतना अधिक है कि वे अपने करीबी लोगों को महत्वपूर्ण जांच समितियों में जगह दिलवा देते हैं। इससे निष्पक्ष जांच की उम्मीद खत्म हो जाती है और मामलों को रफा-दफा कर दिया जाता है।

कर्मचारी संघ ने की जांच समिति में बदलाव की मांग

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने कलेक्टर कोरिया और स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि समिति में निष्पक्ष और स्वतंत्र अधिकारियों को शामिल किया जाए,ताकि रिश्वतखोरी के इस गंभीर मामले की निष्पक्ष जांच हो सके और दोषियों पर उचित कार्रवाई की जा सके।

क्या होगा अगला कदम?

स्वास्थ्य विभाग में इस मामले को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं। अब देखना होगा कि क्या उच्च अधिकारी कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान देते हैं या फिर जांच समिति को लेकर उठ रहे सवालों के बावजूद उसी रूप में जांच को आगे बढ़ाया जाएगा। कर्मचारी संघ ने संकेत दिए हैं कि अगर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित नहीं हुई,तो वे आगे विरोध प्रदर्शन का रुख अपना सकते हैं।

रिश्वतखोर सामुदायिक डाटा प्रबंधक पर किसकी मेहरबानी?

सोनहत के रिश्वतखोर सामुदायिक डाटा प्रबंधक पर किसकी मेहरबानी है यह बड़ा सवाल है। किसकी छत्रछाया में वह खुलेआम पैसे की मांग फोन पर कर रहा है और किसी का सीआर ही खराब करने की बात कर रहा है सीआर खराब करने की धमकी देकर वसूली का यह खेल क्या लगातार चल रहा है? यह भी जांच का विषय है अब क्या इस विषय में जांच कर कार्यवाही होगी? क्या बीडीएम को इस मामले में दंडित किया जाएगा देखने वाली बात होगी।

कलेक्टर ने सरभोंका बालक आश्रम का निरीक्षण कर बच्चों से गतिविधियों की ली जानकारी

-संवाददाता-
कोरबा,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के ग्राम सरभोंका में स्थित बालक प्री-मैट्रिक आश्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आश्रम की सुविधाओं, स्वच्छता, और विद्यार्थियों की समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने आश्रम अधीक्षक को निर्देशित किया कि आश्रम में अध्ययनरत छात्रों को गुणवत्ता वाली शिक्षा और आवश्यक सुविधाएं निर्धारित मीनू अनुसार सुनिश्चित की जाएं। इसके अलावा, कलेक्टर ने छात्रों की सुरक्षा और कल्याण के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही। कलेक्टर श्री वसंत ने यहाँ सिलेंडर के माध्यम से पकने वाले भोजन व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के अलावा खेलकूद गतिविधियों को भी बढ़ावा देने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वसंत ने आश्रम में दर्ज बच्चों में से 15 के अनुपस्थित रहने पर अधीक्षक को निर्देशित किया कि आश्रम में दर्ज बच्चों की शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान एसडीएम तुलाराम भारद्वाज भी उपस्थित थे।

बालको की महिला कर्मचारियों को खनन क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला सम्मान

-संवाददाता-
कोरबा,20 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कोयला एवं खान मंत्रालय द्वारा खनन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए महिलाओं को सम्मानित किया गया। हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बालको की रूचि शर्मा और हिमांशी गुप्ता सम्मानित की गई। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे और तेलंगाना की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डी. अनसूया सीताक्का भी मौजूद थीं। कार्यक्रम के दौरान खनन उद्योग में असाधारण योगदान के लिए देशभर की 46 उत्कृष्ट पेशेवरों को सम्मानित किया गया। बालको के लिए गौरवान्वित पल है कि रुचि शर्मा (डिवीजनल कमर्शियल ऑफिसर) और हिमांशी गुप्ता (बिजनेस एनालिस्ट, डिप्टी

सीईओ, मेटल) को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। महिलाओं द्वारा खनन उद्योग में बाधाओं को तोड़कर आगे बढ़ने को सराहा गया। खनन क्षेत्र में महिलाओं को पहचान दिलाने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रुचि शर्मा ने बताया कि यह सम्मान खनन क्षेत्र में समर्पण और योगदान के साथ बालको के विश्वास का परिणाम है। पिछले 11 वर्षों में मुझे सहयोग तथा प्रोत्साहित करने के लिए कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन को दिल से धन्यवाद देना चाहूँगी। कंपनी हमेशा विविधता और समावेश का समर्थन करने के साथ विशेष रूप से महिलाओं के लिए समानता का अवसर और सशक्तिकरण की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं, जिससे खनन उद्योग में बाधाओं को तोड़ने और रूढ़ियों को चुनौती देने में मदद मिलती है। इस क्षेत्र में योगदान देने और नवाचार को आगे बढ़ाने तथा अधिक ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करता है। बालको ने अपनी महिला कर्मचारियों को सशक्त बनाने तथा अधिक समावेशी कार्यस्थल बनाने के लिए आवश्यक कदम पर ध्यान केंद्रित किया है। महिला कर्मचारियों की उपलब्धियाँ खनन क्षेत्र में में नारी शक्ति की बढ़ती उपस्थिति का प्रमाण हैं, जो भावी पीढ़ियों को आगे बढ़ने और नेतृत्व करने के लिए प्रेरित करती हैं। कंपनी का लक्ष्य 2030 तक महिला कर्मचारियों की संख्या 30 प्रतिशत करना है। साथ ही महिला कर्मचारियों के अनुकूल कार्य वातावरण प्रदान करने के लिए विभिन्न परियोजना संचालित किया है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश सिंह आ0 सूरज सिंह जाति गोड़ निवासी ग्राम/नगर कोल्हुआ , तहसील ओड़गी, जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला, तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 161/8 रकबा 0.012 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि दिनांक 28/03/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 13/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202503020700044

विषय:-ब-121 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्:-2024-25
नमनाकला प.ह.नं.00020 (हे0)
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार-जानकी देवी उर्फ रूकमणी देवी,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदिका श्रीमती जानकी देवी उर्फ रूकमणीदेवी पत्नी स्व0 सम्पत कुमार मिश्रा, निवासी मातृछाया, महामाया पेट्रोल पंप के पीछे रिंग रोड, नमनाकला, अम्बिकापुर,तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने पति स्व0 सम्पत कुमार मिश्रा जो सहायक अभियंता के पद पर पदस्थ थे । जिनकी मृत्यु दिनांक 25/01/2025 को जो जाने के कारण उत्तराधिकार प्रमाण प्रत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र श्रीमान अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जो जॉच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 04/04/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 07/03/2025 को जारी किया जाता हैं।

सील
तहसीलदार अंबिकापुर

क्या कोरिया का भाजपा संगठन सफलता के बाद भी अपने कर्मठ पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को दूर कर रहा?

कोरिया जिले में नगरीय निकाय से लेकर जिला पंचायत चुनाव तक मिली सफलता उसके बाद भाजपाइयों को लगा झटका?

क्या भाजपा जिलाध्यक्ष का उमड़ा है कांग्रेस प्रेम...कांग्रेस से भाजपा में शामिल को मिल रहा महत्व पुराने भाजपाई व विधायक समर्थक हुए दरकिनार?

जिलाध्यक्ष वर्तमान विधायक को भी कर रहे उपेक्षित और कई सामाजिक वोटरों को कर रहे प्रभावित?

सामाजिक राजनीति में जो समाज बीजेपी के लिए समर्थित था वह भी अब भाजपा से किनारे तो नहीं होगा?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,20 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

जब भाजपा विपक्ष में थी उस समय भी संगठन कोरिया जिले का खराब दौर से गुजर रहा था,अब सत्ता के बाद भी संगठन चुनावी सफलता के बाद भी खराब दौर से गुजर रहा है, जिलाध्यक्ष व विधायक के बीच तालमेल पूरी तरह से खत्म होता दिख रहा है, विपक्ष में रहते हुए तालमेल ना होना समझ में आता है पर सत्ता में रहने के बाद भी विधायक व जिलाध्यक्ष के बीच तालमेल ना होना यह समझ के परे है, और वर्तमान विपक्ष के लिए सुखद समय माना जा रहा है वर्तमान जिलाध्यक्ष व वर्तमान सत्तापक्ष के विधायक के बीच तालमेल ना होने की सिर्फ एक वजह है वह वजह है योग्य व पुराने आदिवासी महिला भाजपा नेत्री को जिला पंचायत अध्यक्ष न बनने देना,जहां वर्तमान विधायक संगठनात्मक व पार्टी के दृष्टि से उस नेत्री को जिला पंचायत अध्यक्ष बनाना चाह रहे थे जो पार्टी के लिए काफी योग्य थी समर्पित थी पर जिलाध्यक्ष भाजपा ने उस व्यक्ति को जिला पंचायत का अध्यक्ष बना दिया जो हाल ही में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए थे,उन्हें जिला पंचायत का समर्थित प्रत्याशी चुनने तक का फैसला तो सही था पर जिला पंचायत अध्यक्ष बनने तक के फैसले को लेकर कोरिया भाजपा इस समय चारों तरफ से घिरी हुई है, साथ ही पार्टी के अंदर अब विद्रोह सी स्थिति हो गई है, विधायक से लेकर भाजपा का एक बहुत बड़ा वर्ग इस फैसले से नाराज है। सूत्रों का यह भी दावा है कि ऐसे व्यक्ति को भाजपा जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने को लेकर कोरिया भाजपा को विद्रोह के दलदल में धकेला, उस व्यक्ति का जिला पंचायत चुनाव लड़ने से लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष बनने तक उसका करोड़ों रुपए खर्च कर दिया, साथ ही वह व्यक्ति अपना राइस मिल भी एक कांग्रेसी के पास गिरवी रख दिया, ऐसा सूत्रों का दावा है घटती-घटना इसकी पुष्टि नहीं करता,जिला पंचायत अध्यक्ष को लेकर वर्तमान भाजपा जिलाध्यक्ष बहुत बुरी तरीके से ट्रोल हो रहे हैं। आखिर ऐसी क्या वजह आन पड़ी थी कि भाजपा जिलाध्यक्ष ने कांग्रेस से भाजपा में प्रवेश करने वाले पर इतना अधिक भरोसा जता दिया? जिस वजह से कई सालों से भाजपा के लिए काम करने वाली नेत्री को दरकिनार किया गया?

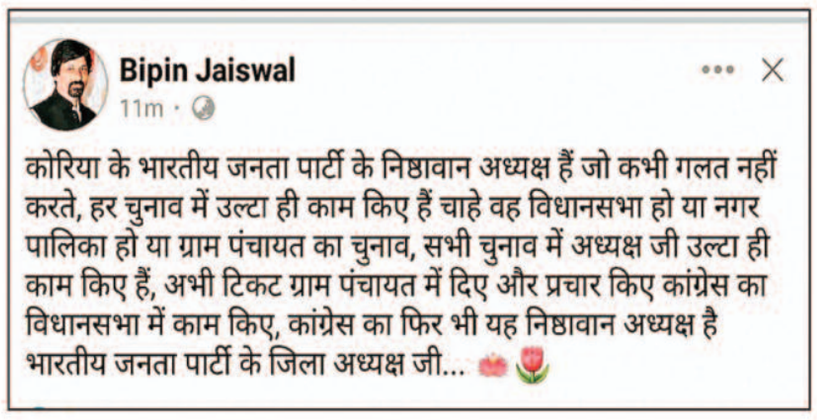

घटती घटना
क्या कोरिया भाजपा ने एक आदिवासी महिला नेत्री पर कार्रवाही करके उसका मनोबल तोड़ने का काम किया?

क्या वर्तमान भाजपा जिलाध्यक्ष को कांग्रेसियों से है प्रेम?

वर्तमान कोरिया भाजपा जिला अध्यक्ष को लेकर अब लोगों के जुबान पर यह बात आने लगा है कि उन्हें कांग्रेस प्रेम ज्यादा उनके अंदर देखा जा रहा है, उन्हें कांग्रेसियों पर भरोसा ज्यादा है भाजपाइयों की अपेक्षा, लगातार सोशल मीडिया पर फोटो डालना और बधाई देना के साथ ही तस्वीर भी घर बुलाकर खिंचवाना और उनका स्वागत करना ऐसा लग रहा है कि उनमें भाजपा समर्थित जिला पंचायत सदस्य से ज्यादा खुशी उन्हें अन्य पार्टी के समर्थित प्रत्याशियों में है? जिसे लेकर अब उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर भी लोग का खुलकर लिखने लगे हैं और उनके कार्यप्रणाली का विरोध भी करने लगे हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष व वर्तमान विधायक के अलग-अलग विचार भाजपा के लिए जिले में मुसीबत बन सकती है...

विपक्ष में स्थिति तो जो थी सो थी पर अब सत्ता में भी स्थानीय विधायक व भाजपा जिलाध्यक्ष के बीच तालमेल न होना कहीं ना कहीं भाजपा की लुटिया डूबने वाली स्थिति निर्मित कर रही है, जिला पंचायत व नगरीय निकाय में जीत की सफलता के बाद भी भाजपा खेमे में वह खुशी नहीं है जो होनी चाहिए थी तुलनात्मक व समझदारी वाला निर्णय न लेना ही वर्तमान जिलाध्यक्ष के लिए आलोचना का विषय बन गया है, जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव को लेकर सबसे ज्यादा आलोचना में है जिलाध्यक्ष और यह आलोचनाएं हर तरह से हो रही हैं जिसकी समीक्षा भी शायद उन्हें करनी चाहिए और अपने किए हुए गलती पर भी विचार करनी चाहिए क्या यह पार्टी हित में था या फिर ऐसा करके पार्टी को तोड़ने का प्रयास था कार्यकर्ताओं व पदाधिकारी के मनोबल तोड़ने का प्रयास था? वर्तमान विधायक व जिलाध्यक्ष के बीच बिल्कुल भी तालमेल अब नहीं दिख रहा ऐसा लग रहा है कि अब दोनों के बीच एक बड़ी सी लकीर खींच गई है जो अब मिटाने वाली नहीं है।

आखिर कांग्रेस से भाजपा में शामिल होने वाले की स्थिति इस चुनाव में हो गई काफी खराब...राइस मील तक रखना पड़ा गिरवी वह भी कांग्रेसियों के पासःसूत्र

एक सामान्य व सीधे-साधे व्यक्ति को एक दिग्गज नेता के सामने चुनाव लडवाकर भाजपा ने उस व्यक्ति के लिए एक तरफ कुआं तो एक तरफ खाई वाली स्थिति निर्मित कर दी थी अच्छा खासा व्यापारी नेतागिरी के चक्कर में करोड़ों के कर्ज में दब गया,जहां चुनाव जीतने के लिए उसने लाखों खर्च किए तो वही अध्यक्ष बनने तक उसका राइस मिल किसी कांग्रेसी के पास गिरवी रखा गया ऐसा सूत्रों का दावा है और यह बात जिले में आम हो चली है आखिर भाजपा क्या अपने ही पार्टी के व्यक्ति की बर्बादी तलाश रही है? क्या सफलता के लिए जिलाध्यक्ष किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं?

भाजपा जिलाध्यक्ष व वर्तमान विधायक आपसी सामंजस्य के साथ एक योग्य व पार्टी के पुराने कार्यकर्ता को जिला पंचायत अध्यक्ष नहीं बना पाए जिस वजह से टूट रही पार्टी

भाजपा के जिलाध्यक्ष काफी पढ़े लिखे होने के साथ काफी मीठे बोली वाले हैं और संगठन को चलाने का माद्दा भी रखते हैं पर क्या विधायक के साथ आपसी सामंजस्य व किसी वरिष्ठ के साथ रणनीति तय करने में सलाह लेना उनके सान के खिलाफ है? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि जिला पंचायत चुनाव को लेकर जो स्थितियां निर्मित हुई उसे लेकर भाजपा फिर से दो फाड़ हो गई है यहां तक की वर्तमान विधायक व जिलाध्यक्ष के बीच बिल्कुल भी अच्छा सामंजस्य नहीं है यह भी अब लोगों को पता चल चुका है जिसका फायदा कांग्रेस आगामी चुनाव में उठा सकती है वही पार्टी की छवि अलग खराब हो रही है।

एक भाजपा के व्यक्ति को सोशल मीडिया पर लिखना पड़ा भारी जिलाध्यक्ष के लोगों ने घर जाकर उसे धमकाया और पोस्ट डिलीट करायाःसूत्र

विधायक समर्थित एक व्यक्ति को वर्तमान जिलाध्यक्ष के विषय में सोशल मीडिया में लिखकर आलोचना करना महंगा पड़ गया सूत्रों का कहना है कि सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना करने वाले को भाजपा जिला अध्यक्ष के समर्थक डांटने व धमकाने पहुंच गए और उससे पोस्ट को डिलीट करवाया।

जिलाध्यक्ष क्या पूर्व जिलाध्यक्ष के सलाहों पर चल रहे हैं जिस वजह से आपसी सामंजस्य की कमी आ रही?

जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष चुनाव संपन्न होने के बाद एक सवाल बहुत तेजी से लोगों के जेहन में उठने लगा है क्या वर्तमान जिलाध्यक्ष भी पूर्व जिलाध्यक्ष की सलाह पर चल रहे हैं जिस वजह से पार्टी में तालमेल बिगड़ता दिख रहा यहां तक की सत्तापक्ष के विधायक के साथ भी तालमेल अब सही नहीं है ऐसा खुद सत्ता पक्ष के विधायक भी अब लोगों को कहने लगे हैं।

क्या वर्तमान विधायक भी हुए ब्लैकमेल और लिया गया उनसे लाखों?

शहर में एक चर्चा और बहुत तेजी से फैली हुई है वह चर्चा है कि वर्तमान विधायक की बहू को उपाध्यक्ष बनने के लिए व निर्विरोध उपाध्यक्ष बनने के लिए उनसे अच्छी खासी रकम ब्लैकमेल करके कैसे उनसे पैसा निकाला गया, यह बात पर यदि चर्चा किया जाए तो लोगों का कहना है कि भाजपा के जिलाध्यक्ष ने ही कांग्रेस समर्थित जिला पंचायत सदस्य को नामांकन फार्म खरीदवाया और उपाध्यक्ष के लिए भरने को कहा और फिर उनकी बहू को निर्विरोध उपाध्यक्ष बनाने के लिए ब्लैकमेल करने की योजना बनाई गई ताकि कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी को पैसे देने हैं ताकि वह नामांकन फॉर्म वापस ले ले ताकि उनकी बहू निविरोध उपाध्यक्ष बन सके, जबकि वह चाहता तो अध्यक्ष के लिए भी दावेदारी कर सकता था पर कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी ने योजनाबद्ध तरीके से उपाध्यक्ष के लिए दावेदारी पेश की फिर उसके बाद जिलाध्यक्ष के मन मुताबिक पैसे की डील हुई फिर जाकर निर्विरोध वर्तमान विधायक की बहू उपाध्यक्ष बनी ऐसा सूत्रों का दावा है कि 15 लाख रुपए के डिमांड वर्तमान विधायक से उनकी बहू को उपाध्यक्ष बनने के लिए हुआ और पैसे भी दिए गए और सवाल यह उठता है कि क्या भाजपा में यह एक नई संस्कृति की शुरुआत है?

फरार बसोर गैंग का कुख्यात आरोपी पकड़ाया

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुराने लंबित प्रकरण एवं धारा 173(8) के मामलों की समीक्षा कर फरार आरोपियों की धरपकड़ करने के कड़े निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए है। निर्देश के परिपालन में थाना चांदनी पुलिस के द्वारा 8 वर्षो से फरार बसोर गैंग के एक कुख्यात आरोपी को मध्यप्रदेश में दबिश देकर पकड़ा है। दिनांक 13.09.2018 के रात्रि में अज्ञात चोरों के द्वारा ग्राम बिहारपुर निवासी राजेन्द्र सिंह के मकान का दरवाजा तोड़कर घर में घुसकर सोना चांदी के जेवर व नगदी रकम 60 हजार रूपये की चोरी कर लिया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 51/2018 धारा 457, 380, 34 भादवि के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया था और मामले की विवेचना के दौरान पूर्व में बसोर गैंग के 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर

चोरी का माल बरामद किया गया था वहीं मामले में 1 आरोपी पिंटू बसोर फरार था जिसकी पतासाजी थाना चांदनी पुलिस व साईबर सेल के द्वारा की जा रही थी।

इसी बीच जानकारी मिली कि फरार आरोपी सिंगरौली मध्यप्रदेश में है जिसके बाद डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने फरार आरोपी को पकड़ने थाना चांदनी की पुलिस टीम गठित कर दिगर राज्य मध्यप्रदेश के लिए रवाना किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम के द्वारा थाना बरगवां जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश आरोपी के सकुनत पहुंची जहां उसके परिजनों के द्वारा पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया गया किन्तु पुलिस टीम ने सूझबूझ का परिचय देते हुए 8 वर्षो से फरार कुख्यात बसोर गैंग के आरोपी पिंटू बसोर उर्फ रामदुलारे पिता किरथ बसोर उम्र 27 वर्ष को घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ पर उसने अपराध कबूल किया जिसे विधिवत् गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी काफी शातीर और कुख्यात है उसके विरूद्ध कोतवाली बैढ़न जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश में हथियार के साथ डकैती की तैयारी करने की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध है साथ ही स्थाई वारंटी भी है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी चांदनी रूपेश कुंतल, एएसआई सुप्रियन टोप्पो, प्रधान आरक्षक इसित बेहरा, मनोज वर्मा, आरक्षक कुलदीप तिग्गा, मोतीलाल सक्रिय रहे।

ज्वेलरी शॉप से ठगी करने वाले अंतर्राज्जीय गिरोह के 7 आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

दिनांक 11.07.2023 को सूरजपुर स्थित शिवशक्ति ज्वेलर्स के संतोष गुप्ता पिता कुंजबिहारी गुप्ता ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि पिताजी के बाहर जाने के कारण दिनांक 03.03.2023 को पिता के ज्वेलर्स दुकान में बैठा था तभी 1 महिला एवं 3 व्यक्ति आए व जेवर दिखाने की बात बोले जिस पर यह उन्हें जेवर दिखाया तब उन लोगों के द्वारा 5 लाख रूपये का जेवर पसंद किए और बोले कि हमारे पास सोना का पुराना लाकेट और बिल है। पसंद किए जेवर के एवज में लाकेट रखकर शेष रकम देने की बात बोले और 24 नग लाकेट वजन 239 ग्राम जो दिखने में सोने जैसा लग रहा था जो प्रारंभिक जांच में सोना लगा, पिता ही ज्वेलर्स दुकान का संचालन करते है जिस कारण इसे ज्यादा जानकारी नहीं थी। चारों के झांसे आकर में लाकेट रखकर उन्हें 5 लाख रूपये के जेवर एवं 4 लाख रूपये नगदी रकम दे दिया। आरोपियों ने कहा कि 2 दिन के बाद पिता के बाहर से आने पर जेवर व रूपये वापस कर लाकेट वापस ले जायेंगे। पिता के वापस आने पर उन्हें लाकेट दिखाया तब पता चला कि लाकेट में सोने का पालिस किया हुआ है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 297/23 धारा 420, 34 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुराने लंबित गंभीर अपराधों एवं धोखाधड़ी के मामलों की समीक्षा करते हुए फरार आरोपियों की गंभीरतापूर्वक पतासाजी कर पकड़ने साईबर सेल व थाना सूरजपुर पुलिस को निर्देश दिए। पुलिस की दोनों टीमे लगातार आरोपियों की पतासाजी में लगी रही तथा घटना स्थल के सीसीटीव्ही फुटेज व तकनीकी संसाधनों का प्रयोग करते हुए उनके मूव्हमेंट पर लगातार कड़ी निगाह रखी गई। इसी बीच आरोपियों के जिला हरदाह मध्यप्रदेश में होने की सूचना पर पुलिस टीमे विधिवत् मध्यप्रदेश रवाना हुई और स्थानीय पुलिस के सहयोग से दबिश देकर 7 लोगों को पकड़ा गया। पूछताछ पर इन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर शिवशक्ति ज्वेलर्स से ठगी करना स्वीकार किए जिसके बाद कार्यपालिक दण्डाधिकारी की मौजूदगी में पहचान कार्यवाही भी कराई गई। मामले में अन्य आरोपी फरार है जिनकी पतासाजी की जा रही है।

थाना रामानुजनगर पुलिस ने वर्षो से फरार 2 स्थाई वारंटी पकड़े

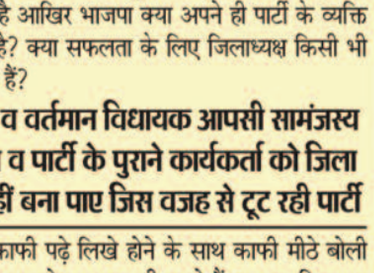

अपराधों की रोकथाम के लिए डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने पूर्व में थाना-चौकी प्रभारियों की बैठक में कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि स्थाई वारंट तामीली में लापरवाही नहीं होनी चाहिए, वारंटी वर्तमान में कहां उसकी जानकारी निकाले, अब तक स्थाई वारंट की तामीली क्यों नहीं की गई उसकी अद्यतन स्थिति से बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि तामीली में लापरवाही बरतने वाले प्रभारी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। स्थाई वारंट तामीली के लिए थाना-चौकी प्रभारी स्वयं भी जाए, पुलिस अधिकारी व जवानों को तामीली के लिए भेजने से पहले उन्हें ब्रीफ करें और उन्हें हिदायत दें कि अपने पूर्ण अनुभव का इस्तेमाल करते हुए वारंट को तामील करें। निर्देश के परिपालन में थाना रामानुजनगर पुलिस ने वर्षो से फरार चल रहे गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी व मारपीट की धाराओं में फरार स्थाई वारंटी हरिचरन अगरिया निवासी ग्राम परशुरामपुर एवं बलराम यादव ग्राम मदनेश्वरपुर को दबिश देकर पकड़ा है। पुलिस ने पकड़े गए दोनों वारंटियों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया है।

युजवेंद्र और धनश्री का रिश्ता

चार साल बाद खत्म

बॉम्बे हाईकोर्ट ने दी तलाक की मंजूर

नई दिल्ली,20 मार्च 2025। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा की शादीशुदा जिंदगी का अंत हो गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट की बांद्रा फैमिली कोर्ट ने 20 मार्च 2025 को दोनों के तलाक को मंजूरी दे दी। जस्टिस माधव जामदार की बेंच ने आपसी सहमति से दायर तलाक याचिका स्वीकार करते हुए छह महीने के कूलिंग ऑफ पीरियड को माफ कर दिया। चहल अपनी पूर्व पत्नी को 4.75 करोड़ रुपये की गुजारा भत्ता राशि देंगे, जिसमें से 2.37 करोड़ रुपये पहले ही दिए जा चुके हैं। चहल के वकील नितिन गुप्ता ने कहा,कोर्ट ने तलाक की डिक्री पास कर दी है। अब दोनों कानूनी तौर पर पति-पत्नी नहीं हैं।

लॉकडाउन में शुरू हुई थी प्रेम कहानी

चहल और धनश्री की नजदीकियां 2020 के लॉकडाउन में बढ़ी थीं। उस वक्त धनश्री,जो एक कोरियोग्राफर और यूट्यूबर थीं,से चहल ऑनलाइन डांस क्लास ले रहे थे। प्यार परवान चढ़ा और दिसंबर 2020 में दोनों ने शादी कर ली। हालांकि, जून 2022 से दोनों के बीच अनबन की खबरें आने लगीं और वे अलग रहने लगे। तलाक की अर्जी के बाद हाईकोर्ट ने पारिवारिक कोर्ट के कूलिंग पीरियड के फैसले को पलट दिया, क्योंकि चहल 21 मार्च से आईपीएल के कारण उपलब्ध नहीं होंगे।

चर्चाओं में रहा चहल का नाम

हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के दौरान चहल को आरजे महवश के साथ दुबई में देखा गया था,जिससे तलाक की अटकलें तेज हुईं। दोनों की तस्वीरें वायरल होने के बाद धनश्री ने इंस्टाग्राम पर लिखा, हर बार महिलाओं को दोष देने की आदत है।÷ पिछले कुछ महीनों में चहल ने धनश्री के साथ तस्वीरें हटाकर और सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट डालकर अलगाव के संकेत दिए थे। हालांकि, अनबन की वजह अब तक साफ नहीं हुई है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025: भारतीय टीम पर धनवर्षा, बीसीसीआई ने किया इतने करोड़ रुपये देने का एलान

नई दिल्ली,20 मार्च 2025। भारतीय क्रिकेट टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। यह भारत की तीसरी चैंपियंस ट्रॉफी जीत थी, जिसने पूरे देश में जश्न का माहौल बना दिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद बीसीसीआई ने टीम इंडिया के लिए 58 करोड़ रुपये की इनामी राशि की घोषणा की है। इस इनाम का लाभ न केवल खिलाड़ी बल्कि कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट टीम को भी मिलेगा। भारत ने इससे पहले 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में यह खिताब जीता था, और 12 साल बाद एक बार फिर टीम इंडिया ने आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम की।

बीसीसीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर इस इनामी राशि का ऐलान किया। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और बिना कोई मैच हारे फाइनल में न्यूजीलैंड को मात दी।

बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा,लगातार दो आईसीसी खिताब जीतना बेहद खास है। यह इनामी राशि टीम इंडिया के समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण है। 2025 में यह हमारी दूसरी आईसीसी ट्रॉफी है, जो देश में क्रिकेट की मजबूत संरचना को दर्शाती है।

टीम इंडिया की इस बड़ी जीत के साथ पूरे देश में जश्न का माहौल है, और अब भारतीय क्रिकेट के प्रशंसक आने वाले टूर्नामेंट्स में भी ऐसे ही शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं।

जहीर खान बोले...ऋषभ पंत अच्छे कप्तान, हम आक्रामक क्रिकेट खेलने आए हैं,गेंदबाजों की फिटनेस अहम

लखनऊ,20 मार्च 2025। लखनऊ सुपरजायंट्स के मेंटर जहीर खान बोले कि महेंद्र सिंह धोनी जब तक खेलेंगे,तब तक आईपीएल में उनका जलवा बना रहेगा। उनकी लोकप्रियता लखनऊ ही नहीं, पूरे देश के मैदानों में हैं। उसे कम नहीं किया जा सकता। हमारी टीम के कप्तान ऋषभ पंत समेत आईपीएल खेल रहे सभी बड़े भी माही को अपना आदर्श मानते हैं। लखनऊ में होने वाले मुकाबले में हम चेन्नई सुपरकिंग्स को टीम को कड़ी टक्कर देंगे। बाकी अगर उस दिन (14 अप्रैल) को इकाना स्टेडियम धोनी की शर्ट से रंग भी जाए तो हमें कोई हैरत नहीं होगी।

ऋषभ पंत के नेतृत्व में चढ़कर खेलेगी एलएसजी की टीम-जहीर खान ने ऋषभ पंत अच्छे कप्तान हैं। वह टीम को आगे ले जाएंगे। हमें उनसे बहुत उम्मीद है। एक अच्छा लीडर टीम को आगे ले जाने का काम करता है। ऋषभ पंत पर मैदान में चुटीले अंदाज के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि मैं,समझता हूं। उनका अंदाज इसी तरह से क्रिकेट खेलने का है। इसी तरह का क्रिकेट एलएसजी आईपीएल में खेलेगी, लेकिन टीम के सभी खिलाड़ी आक्रमक खेल को तरहीज देंगे। इससे बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

गेंदबाजों को फिटनेस का ख्याल रखना होगा-खिलाड़ियों के तेज गेंदबाजी करने की कोशिश में चोटिल होने पर कहा कि अपनी स्ट्रेंथ के हिसाब से काम करना होगा। इससे बेहतर परिणाम सामने आएंगे। तेज गेंदबाजों को इंजरी से परेशान होने की जरूरत नहीं है। यह तो खेल का एक हिस्सा है,जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आईपीएल के लिए अच्छी टीम हमें चाहिए, अच्छी क्रिकेट खेलनी है। हमारे पास पॉजिटिव आउटलुक वाली क्रिकेट टीम है। गेंदबाज भी इस टीम का अहम हिस्सा हैं।

राजस्थान रॉयल्स ने बदला कप्तान

हटाए गए संजू सैमसन, अब ये संभालेंगे टीम की कमान

जयपुर,20 मार्च 2025। आईपीएल 2025 में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिला है। राजस्थान रॉयल्स ने अपने शुरुआती तीन मैचों के लिए 23 साल के युवा ऑलराउंडर रियान पराग को कप्तान नियुक्त किया है। नियमित कप्तान संजू सैमसन इस दौरान विशेषज्ञ बल्लेबाज और इम्पैक्ट सब्सटीट्यूट की भूमिका में नजर आएंगे। रियान पराग इस नियुक्ति के साथ विराट कोहली के बाद आईपीएल इतिहास के सबसे युवा कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए बताया कि यह व्यवस्था फिलहाल पहले तीन मैचों के लिए है, लेकिन जरूरत पड़ी तो इसे आगे बढ़ाया जा सकता है।

पराग का पहला मुकाबला 23 मार्च को

राजस्थान रॉयल्स ने घोषणा की कि रियान पराग 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पहले मैच में कप्तानी करेंगे। इसके बाद 26 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स और 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ घरेलू मैचों में भी वे टीम का नेतृत्व करेंगे।

सैमसन की चोट के चलते बदलाव

संजू सैमसन हाल ही में मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान जोफ्रा आर्चर की गेंद से चोटिल हो गए थे। उनकी अंगुली में फ्रैक्चर होने के बाद छोटी सर्जरी हुई। हालांकि, उन्हें बल्लेबाजी की मंजूरी मिल गई है, लेकिन बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने विकेटकीपिंग से पहले उनकी अंगुली को और आराम देने की सलाह दी है। इसी वजह से रॉयल्स ने यह अस्थायी बदलाव किया है। सैमसन पूरी तरह फिट होने पर कप्तानी में वापसी करेंगे।

फ्रेंचाइजी ने कहा,रियान की टीम डायनामिक्स की समझ और घरेलू क्रिकेट में असम की कप्तानी के दौरान उनका प्रदर्शन उन्हें इस भूमिका के लिए तैयार करता है।÷

यशस्वी पर क्यों नहीं पड़ी नजर?

टीम प्रबंधन ने यह भी साफ किया कि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को कप्तानी क्यों नहीं सौंपी गई। हालांकि यशस्वी मौजूदा समय के शीर्ष बल्लेबाजों में से एक हैं, लेकिन रॉयल्स ने पराग के नेतृत्व कौशल को प्राथमिकता दी। इससे पहले पंजाब किंग्स (श्रेयस अय्यर),आरसीबी (रजत पाटीदार), दिल्ली कैपिटल्स (अक्षर पटेल), लखनऊ सुपर जायंट्स (ऋषभ पंत) और कोलकाता नाइट राइडर्स (अजिंक्य रहाणे) ने भी नए कप्तानों की घोषणा की थी। रॉयल्स का यह फैसला टूर्नामेंट में नई ऊर्जा ला सकता है।

गेंद पर लार लगा सकेंगे गेंदबाज

बीसीसीआई ने हटाया प्रतिबंध... 10 टीमों के कप्तानों ने किया समर्थन

मुंबई,20 मार्च 2025। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले एक बड़ा फैसला लिया है। बोर्ड ने गेंद पर लार के इस्तेमाल पर लगी रोक को हटा दिया है। यह निर्णय गुरुवार को मुंबई में हुई 10 टीमों के कप्तानों की बैठक में लिया गया, जहां अधिकांश कप्तानों ने इस कदम का समर्थन किया। गौरतलब है कि कोविड-19 महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गेंद को चमकाने के लिए लार के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया था, जिसे आईपीएल में भी लागू रखा गया था। लेकिन अब बीसीसीआई ने इसे हटाने का ऐलान किया है।

कोविड के बाद बदली परिस्थितियां

बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया,कोविड से पहले गेंद पर लार का इस्तेमाल आम था। अब जब महामारी का खतरा कम हो गया है, तो इस प्रतिबंध को हटाने में कोई हर्ज नहीं है। अधिकारी ने यह भी कहा कि आईपीएल के नियम आईसीसी के दायरे से स्वतंत्र हैं, इसलिए यह बदलाव संभव हो सका।

तेज गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग हासिल करने में हो रही परेशानी को देखते हुए यह फैसला लिया गया। आईपीएल 2025 का शानदार आगाज 22 मार्च से होगा। उद्घाटन मुकाबले में मौजूदा चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। इस बार टूर्नामेंट में 10 टीमें हिस्सा लेंगी और 13 शहरों में 65 दिनों तक कुल 74 मैच खेले जाएंगे। इसमें 70 लीग मैच और चार प्लेऑफ मुकाबले शामिल हैं। प्लेऑफ और फाइनल के मैच 20 से 25 मई के बीच हैदराबाद और कोलकाता में होंगे। हैदराबाद 20 मई को क्वालिफायर 1 और 21 मई को एलिमिनेटर की मेजबानी करेगा। वहीं, कोलकाता 23 मई को क्वालिफायर 2 और 25 मई को फाइनल की मेजबानी करेगा। टूर्नामेंट में 12 डबल हेडर होंगे, जिनमें पहला मैच दोपहर 3:30 बजे और दूसरा मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। इस फैसले से आईपीएल 2025 में तेज गेंदबाजों को नई ताकत मिलने की उम्मीद है, और प्रशंसकों को एक रोमांचक सीजन का इंतजार है।

मोहम्मद शमी की मांग हुई पूरी

भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पहले भी लार के इस्तेमाल पर लगे प्रतिबंध को हटाने की वकालत की थी। शमी का मानना था कि इससे खेल में संतुलन बना रहेगा। उन्होंने कहा था,लार के बिना रिवर्स स्विंग हासिल करना मुश्किल हो जाता है,जिससे खेल बल्लेबाजों के पक्ष में झुक जाता है। लार के प्रयोग से खेल रोमांचक बनेगा। शमी की इस मांग को अब बीसीसीआई ने स्वीकार कर लिया है।

शानदार है बदनाम का गाना इंजेक्शन,सुनकर नाचने पर हो जाएंगे मजबूर:निक्की तंबोली

बिग बॉस 14 की पूर्व प्रतियोगी और अभिनेत्री निक्की तंबोली हालिया रिलीज फिल्म बदनाम के इंजेक्शन लगा दो गाने के साथ पंजाबी इंडस्ट्री में डेब्यू कर चुकी हैं। अभिनेत्री ने गाने की खूब तारीफ की और बताया कि यह एक ऐसा गाना है,जिसे सुनकर लोग नाचने पर मजबूर हो जाएंगे...

प्रोजेक्ट को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए निक्की ने कहा, मैं पंजाबी इंडस्ट्री में डेब्यू करने और बदनाम' का हिस्सा बनने को लेकर बेहद रोमांचित हूं! उन्होंने कहा, इंजेक्शन लगा दो मुझे' एक ऐसा गाना है, जिसे सुनकर आप नाचने को मजबूर हो जाएंगे और मैं ऐसी शानदार टीम के साथ काम करने के अवसर के लिए बेहद आभारी हूं।

इंजेक्शन लगा दो मुझे' गाने को सुनिधि चौहान ने गाया है। रोमांटिक ड्रामा बदनाम फरवरी में रिलीज हुई थी, जिसमें अभिनेता जय रंधावा, जैस्मिन भसीन और मुकेश ऋषि मुख्य भूमिकाओं में हैं।निक्की तंबोली के करियर की बात करें तो उन्होंने एक मॉडल के तौर पर शुरुआत की थी। साल 2019 में रिलीज हुई तेलुगू हॉरर-कॉमेडी फिल्म चिकाती गडिलो चिताकोटुडु' से अभिनय जगत की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद वह तमिल एक्शन-हॉरर फिल्म कंचना 3' में नजर आई, जिसमें उनके किरदार का नाम दिव्या है। उनकी तीसरी फिल्म तेलुगू में थिप्पारा मीसम' थी।निक्की ने 2020 में सलमान खान के हिंदी रियलिटी शो बिग बॉस 14 में भी भाग लिया, जहां वह तीसरे स्थान पर रहीं। इसके बाद वह साल 2021 में रोहित शेट्टी के स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी के 11वें सीजन में दिखाई दीं, जिसे दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में फिल्माया गया था।शो में तंबोली 10वें स्थान पर रहीं। रियलिटी शो के अलावा वह कई म्यूजिक वीडियो में भी काम कर चुकी हैं। निक्की साल 2022 में गेम शो द खतरा-खतरा में देखी गई, जिसे कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया ने होस्ट किया था। निक्की, नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ हिंदी फिल्म जोगीरा सारा रा रा' के कॉकटेल' गाने में भी काम कर चुकी हैं। इसके अलावा वह साल 2024 में रियलिटी शो बिग बॉस मराठी सीजन 5 में दिखाई दीं, जहां उनकी मुलाकात सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अरबाज पटेल से हुई। दोनों खास दोस्त हैं। दोनों के बीच एक करीबी रिश्ता बन गया। तंबोली वर्तमान में सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में नजर आ रही हैं। सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' एक कुकिंग-आधारित रियलिटी शो है। इस शो में निक्की के साथ तेजस्वी प्रकाश,दीपिका कक्कड़ इब्राहिम,गौरव खन्ना, राजीव अदातिया समेत अन्य हस्तियां भी शामिल हैं।

मुझे मेरा काम सबसे ज्यादा खुशी देता है, इंटरनेशनल हैप्पीनेस डे पर बोले... खाकी द बंगाल चैप्टर एक्टर मिमोह चक्रवर्ती

इंटरनेशनल हैप्पीनेस डे के मौके पर एक्टर मिमोह चक्रवर्ती ने कहा कि उनके लिए खुशी का कारण उनका काम है। उन्होंने कहा कि इस साल खुश होने की एक और बड़ी वजह उनकी वेब सीरीज खाकी- द बंगाल चैप्टर है, जो इसी दिन रिलीज हो रही है। एक्टर मिमोह ने कहा,मुझे लगता है यह सबसे खास दिन है, क्योंकि कौन खुश नहीं रहना चाहता है? और मेरे लिए, यह बहुत खास है, क्योंकि इस दिन, मेरा प्रोजेक्ट खाकी द बंगाल चैप्टर नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगा। मैं बेहद खुश हूं। खुशी उनके लिए क्या है? इस सवाल पर मिमोह बोले,मेरे लिए खुशी का मतलब है मेरा परिवार, मेरे दोस्त और जिंदगी अपने समग्र रूप में। यह एक खास एहसास है, जिसके लिए हम सभी तरसते हैं। उन्होंने कहा,खुशी छोटी-छोटी बातों में मिलती है। वो किसी का आपके प्रति सद्-व्यवहार हो या फिर किसी की ओर से मिली प्रशंसा हो। मानवता या सद्भाव के ये छोटे-छोटे संकेत ही मेरे लिए खुशी का कारण बनते हैं।

उन्होंने आगे कहा,मुझे अपने माता-पिता को स्वस्थ देख कर, अपने भाइयों और बहन की तरक्की देखकर, अपनी पत्नी को अच्छा काम करते देख, अपने सास-ससुर और वो जो मुझसे और मेरे काम से प्यार करते हैं,उन्हें देखकर अच्छा लगता है। मुझे लगता है मैं अपने जीवन से संतुष्ट हूं और इन लोगों को अपने इर्द-गिर्द पाकर बेहद खुश हूं।

वरिष्ठ अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के बेटे मिमोह ने कहा कि काम करना मेरी जिंदगी का एक अहम हिस्सा है। मुझे सेट पर रहना बहुत पसंद है, जहां मेरे कई दोस्त और रिश्तेदार मुझे समझते हैं। उन्होंने कहा कि हर प्रोजेक्ट उन्हें सीखने का एक नया अवसर देता है। एक्टर ने बताया कि वे वर्तमान में हॉण्टेड- घोस्ट ऑफ द पास्ट की शूटिंग में व्यस्त हैं और खाकी द बंगाल चैप्टर के साथ ही अप्रैल और मई में कई अन्य प्रोजेक्ट्स भी रिलीज होने वाले हैं। बता दें कि खाकी द बंगाल चैप्टर सीरीज को नीरज पांडे ने बनाया है। यह एक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें जीत,प्रसेनजीत चट्टो पाध्याय, परमब्रत चट्टोपाध्याय और चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज खाकी द बिहार चैप्टर की सीक्वल है।

CMYK

बीजापुर व कांकेर मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता, 30 नक्सलियों को किया ढेर

भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद इलाके में सर्चिंग अभियान जारी

रायपुर,20 मार्च 2025। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ मुठभेड़ में जवानों को बड़ी सफलता मिली है। बस्तर संभाग में सुबह से चल रही मुठभेड़ में जवानों ने अबतक कुल 30 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। इसकी पुष्टि आईजी पी सुंदरराज ने की है। बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भारी मुठभेड़ हुई में अब तक 26 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ में बीजापुर डीआरजी का एक जवान शहीद हो गया। वहीं कांकेर मुठभेड़ में अब तक कुल 4 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। मौके से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया गया है। फिलहाल,दोनों ही इलाकों में सर्च ऑपरेशन जारी है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और दंतेवाड़ा के सरहदी इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई।

जानकारी के मुताबिक, बीजापुर और दंतेवाड़ा के सरहदी इलाके में माओवादी विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम निकली थी। इस दौरान गंगालूर थाना क्षेत्र में आज सुबह करीब 7 बजे नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। दोनों ओर से हुई भीषण फायरिंग हुई। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से अब तक 30 नक्सलियों के शव बरामद किया है। इसके अलावा बड़ी मात्रा में राइफल,विस्फोटक सामग्री और अन्य हथियार जब्त भी किए गए हैं। फिलहाल, सुरक्षा बल पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। संभावना जताई जा रही है कि जंगल में और भी नक्सली छिपे हो सकते हैं। सुरक्षाबलों की इस बड़ी कामयाबी पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गृह मंत्री विजय शर्मा ने जवानों को बधाई दी है।

अमित शाह, सीएम साय और उपमुख्यमंत्री शर्मा ने जवानों को दी बधाई

रायपुर, 20 मार्च 2025। सुरक्षाबलों की इस बड़ी कामयाबी पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गृह मंत्री विजय शर्मा ने जवानों को बधाई दी है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जवानों को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नक्सलमुक्त भारत अभियान' की दिशा में आज हमारे जवानों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में हमारे सुरक्षा बलों के 2 अलग-अलग ऑपरेशन्स में 22 नक्सली मारे गए। मोदी सरकार नक्सलियों के विरुद्ध रुथलेस अप्रोच से आ बढ़ रही है और समर्पण से लेकर समावेशन की तमाम सुविधाओं के बावजूद जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है।

मुख्यमंत्री साय बोले- मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म होगा

नक्सल मुठभेड़ मामले में मिली सफलता पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जवानों को बस्तर में बड़ी सफलता मिली। दो मुठभेड़ में 22 नक्सली मारे गए हैं। जवानों के साहस को नमन करते हैं। सुरक्षा बल के जवान मजबूती के साथ लड़ाई लड़ रहे हैं। बस्तर की खूबसूरती को लोग जल्द देख पाएंगे,अब ज्यादा समय नहीं लगेगा. मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म होगा। गृह मंत्री अमित शाह का संकल्प पूरा होगा। बस्तर स्वर्ग है,जहां देश-दुनिया के लोग जा पाएंगे। प्रदेश में डबल इंजन सरकार के होने का फायदा हो रहा है। समन्वय के साथ नक्सलियों से लड़ पा रहे हैं।

जवानों के साहस को सलामः विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शांति और विकास की राह में बाधा बनने वालों के खिलाफ हमारी कार्रवाई जारी रहेगी। कांकेर और बीजापुर-दंतेवाड़ा की इन मुठभेड़ों में हमारे बहादुर जवानों ने जो पराक्रम दिखाया है,वह अद्वितीय है। सभी जवानों के साहस को सलाम करता हूं। शहीद जवान को शत-शत नमन।

महत्वपूर्ण खबर

एचडीएफसी के बैंक मैनजर ने किया बड़ा खेल

रायपुर,20 मार्च 2025। राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित एचडीएफसी बैंक में बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। यहां फर्जी खातों में ऑनलाइन सट्टा की बड़ी रकम को जमा कराया गया। मामले में पुलिस ने आरोपी बैंक मैनजेर नितिन देवांगन को जगदलपुर से गिरफ्तार किया है। इन फर्जी खातों में लाखों रुपए जमा कराए गए थे। जानकारी के मुताबिक,देवेंद्र नगर स्थित एचडीएफसी बैंक में नितिन देवांगन ब्रांच मैनेजर के पद पर पदस्थ है। आरोपी बैंक मैनेजर बैंक में फर्जी खाते खुलवाकर ऑनलाइन सट्टा की रकम जमा करवाए। इन खातों में कुल 82 लाख 83 हजार रुपए से ज्यादा की रकम जमा कराई गई। 2020 से लेकर 2025 तक बैंक मैनेजर नितिन देवांगन ने इस फर्जीवाड़े को अंजाम दिया। देवेंद्र नगर थाना में आरोपी नितिन के खिलाफ धोखाधड़ी की धारा में एफआईआर दर्ज किया। पुलिस ने जगदलपुर से बैंक मैनेजर नितिन को गिरफ्तार किया।

अर्जुनी वन परिक्षेत्र में वन प्राणि के जले अवशेष मिल,मचा विचाद

पिथोरा,20 मार्च 2025। समीप के अर्जुनी वन परिक्षेत्र में वन विभाग कार्यालय के समीप ही एक वन्यप्राणी जले अवस्था मे मिला। इस जली हड्डी और अवषेश को ग्रामीण वन्य प्राणी बता रहे है परन्तु अर्जुनी के प्रभारी रेंजर इसे पालतू जानवर बता कर मामला समाप्त करते हुए दिख रहे है। बहरहाल ग्रामीणों की शिकायत के बाद उक्त प्राणी के जले अवशेष को जांच के लिए लैब भेजा गया है। अर्जुनी वन परिक्षेत्र की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां वन्य प्राणियों को जलाने का मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों ने इसका वीडियो भी बनाया है, परंतु प्रभारी रेंजर के अनुसार उन्हें इस मामले की जानकारी ही नहीं है।

नक्सलियों के साथ लखमा का कनेक्शन पर भड़के बैज

रायपुर,20 मार्च 2025। ईओडब्ल्यू ने पूर्व मंत्री कवासी लखमा का नक्सलियों के साथ कनेक्शन निकाला है। इस पर पीसीसी चीफ दीपक बैज भड़क उठे। उन्होंने बदले की भावना से आदिवासी नेताओं को टारगेट करने का आरोप बीजेपी पर लगाया है। बैज ने कहा, शराब से पेट नहीं भरा तो भाजपा नक्सलियों से कनेक्शन खोज रही. ईडी के बाद ईओडब्ल्यू की एंट्री हुई है, ताकि उन्हें बेल न मिले। कुंभ नहीं जाने को लेकर कांग्रेस की बैठक में चर्चा पर सियासत शुरू हो गई है। गृह मंत्री विजय शर्मा के बयानों का पीसीसी चीफ दीपक बैज ने पलटवार करते हुए गृहमंत्री को दूसरों को आईना दिखाने के बजाय अपना विभाग संभालने की हिदायत दी. बैज ने बिहार में बेची गई बच्चियों के लिए प्रदेश की महिलाओं से माफी मांगने की बात कही। उन्होंने कहा,बीजेपी मुद्दों से भटका रही। गृह मंत्री यदि खुद को ओपी चौधरी से ज्यादा ज्ञानी समझते हैं तो पहले अपना विभाग संभालें।

फॉरेंसिक विज्ञान में बड़ी उपलब्धि : रायपुर बना एनएफएसयू का आधिकारिक परिसर

रायपुर,20 मार्च 2025। छत्तीसगढ़ को फॉरेंसिक विज्ञान क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है. केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा राजधानी रायपुर स्थित परिसर को राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के आधिकारिक परिसर के रूप में अधिसूचित कर दिया गया है। यह महत्वपूर्ण निर्णय प्रदेश को फॉरेंसिक विज्ञान, अनुसंधान और जांच के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा. अब छत्तीसगढ़ में ही आधुनिक तकनीकों के माध्यम से फॉरेंसिक शिक्षा और अनुसंधान को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा, जिससे न्याय प्रणाली को और प्रभावी बनाया जा सकेगा। इस अभूतपूर्व पहल के लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का हृदय से आभार व्यक्त किया।

बर्खास्त बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों ने खून से लिखा पत्र

1 न्याय की लगाई गुहार,समायोजन नहीं करने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

रायपुर, 20 मार्च 2025। प्रदेशभर के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत बीएड प्रशिक्षित शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के चलते सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। बर्खास्त बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षक समायोजन की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। 97 दिनों से लगातार शांतिपूर्ण एवं नए तरीके से अपना विरोध दर्ज करने के बाद हताश और निराश होकर बर्खास्त सहायक शिक्षकों ने आज मुख्यमंत्री और सभी मंत्रियों को अपने खून से हस्तलिखित निवेदन पत्र लिखा और न्याय की गुहार लगाई।

इस ऐतिहासिक विरोध कार्यक्रम में हजारों शिक्षकों ने एक साथ धरना स्थल पर अपने अधिकारों, सेवा सुरक्षा और समायोजन की मांग को लेकर सरकार से अंतिम अपील की। शिक्षकों ने स्पष्ट किया कि वे केवल न्याय की मांग कर रहे हैं और सरकार के पास संवैधानिक रूप से इन्हें समायोजित करने का पूरा अधिकार है। बर्खास्त सहायक शिक्षकों के समायोजन के लिए यदि सरकार जल्द कोई ठोस निर्णय नहीं लेती है तो शिक्षक अपने आंदोलन को और अधिक उग्र रूप देने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि शिक्षकों के भविष्य को बचाने के लिए त्वरित निर्णय लिया जाए और समायोजन की प्रक्रिया जल्द प्रारंभ की जाए. हमारा संघर्ष न्याय के लिए है। जब तक न्याय नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

नवा रायपुर के तूता धरना स्थल में अनिश्चितकालीन हड़ताल में बैठे बर्खास्त सहायक शिक्षकों ने कहा,नौकरी के बदले नौकरी चाहिए. हमें समायोजन किया जाए। इसमें हमारी क्या गलती है। भर्ती प्रक्रिया राजपत्र में प्रकाशित हुआ। जो नियम क़ानून बने उसके आधार पर हम लोगों ने परीक्षा दी। परीक्षा पास होकर अच्छे अंक लाए तब जाके नौकरी मिली थी। जब भर्ती लेने वाले दोषी नहीं है तो हम कैसे दोषी हो गए ? सरकार की ओर से गठित कमेटी की अब तक रिपोर्ट नहीं आई है। जब तक नौकरी नहीं मिलेगी तब तक यहां से नहीं उठेंगे।

मानसिक रूप से हो चुके हैं परेशान

बर्खास्त शिक्षकों ने कहा,15 महीनों तक हमने नौकरी की है। चुनाव में भी ड्यूटी लगाया गया था। नौकरी से निकाले जाने से आज मानसिक आर्थिक रूप से परेशान हो चुके हैं। समाज में तंज कसा जा रहा है। हम सरकार से पूछना चाहते हैं कि क्या परीक्षा देना हमारी गलती थी ? परीक्षा में ज़्यादा नंबर लाना क्या हमारी गलती थी ? जब तक हमें समायोजन नहीं किया जाएगा, हमारी नौकरी हमें नहीं लौटाई जाएगी तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा।

जेल में बंद पूर्व मंत्री लखमा से ईओडब्ल्यू ने दूसरे दिन भी की पूछताछ

रायपुर,20 मार्च 2025। 2161 करोड़ के शराब घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा से आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) की टीम ने दूसरे दिन भी पूछताछ की। पूछताछ के दूसरे दिन ईओडब्ल्यू के चार अफसर सेन्ट्रल जेल परिसर पहुंचे, जो कवासी लखमा से 7 बिंदुओं पर पूछताछ कर रहे थे। अफसरों की टीम पूर्व मंत्री लखमा से शराब घोटाले से मिलने वाले कमीशन को लेकर पूछताछ की। बता दें कि कोर्ट ने ईओडब्ल्यू को 19 और 20 मार्च को पूछताछ करने के इजाजत दी थी. कवासी लखमा से पूछताछ के बाद ईओडब्ल्यू कई लोगों को पूछताछ के लिए तलब कर सकती है।

गौरतलब है कि बुधवार यानी 19 मार्च को कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट रायपुर सेंट्रल जेल पहुंचकर कवासी लखमा से मुलाकात की. उनके साथ नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, विधायक देवेंद्र यादव समेत कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे. माना जा रहा है कि इस मुलाकात में लखमा की कानूनी लड़ाई और पार्टी की आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। गौरतलब है कि कवासी लखमा फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की न्यायिक रिमांड पर रायपुर जेल में बंद हैं. आबकारी घोटाले को लेकर पहले ही कई बड़े अधिकारियों और कारोबारियों पर शिकंजा कस चुका है. अब देखना होगा कि ईओडब्ल्यू की पूछताछ से इस मामले में और कौन-कौन से नए खुलासे होते हैं।

विनियोग विधेयक पर हुई चर्चाःपूर्व मुख्यमंत्री भूपेश ने अलग-अलग मुद्दों पर सरकार पर किया तीखा हमला

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने मोर्चा संभालते हुए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना

रायपुर,20 मार्च 2025। विधानसभा में गुरुवार को विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान एक तरफ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अलग-अलग मुद्दों पर सरकार के खिलाफ तीखा हमला किया, तो वहीं दूसरी ओर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने मोर्चा संभालते हुए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अब छत्तीसगढ़ में किसी भी आदमी को नग्न प्रदर्शन नहीं करना पड़ेगा।

विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान भाजपा के फायरब्रांड विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जीडीपी राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर है। जीएसडीपी को दोगुना करने का सरकार का लक्ष्य है. पिछली सरकार पांच साल में बेरोजगारी की परिभाषा तय नहीं कर पाई थी। प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 62 हज़ार रुपए हुई है। राजस्व वृद्धि 13.8 फीसदी अनुमानित है, जो पिछली सरकार की तुलना में ज्यादा है। 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद में 9.7 फीसदी की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या घनत्व के आधार पर शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में ज्यादा ध्यान दिए जाने की जरूरत है. सामाजिक सुरक्षा, पेंशन पर ध्यान दिया जाना है। विभागों में बजट में वृद्धि की गई है. बजट प्रबंधन में छत्तीसगढ़ को दिल्ली से 4 हज़ार 400 करोड़ रुपए का इंसेंटिव दिया गया है। 5.62 लाख भूमिहीन लोगों को दस हज़ार रुपए वार्षिक की राशि दी जाएगी. पहली किस्त दे दी गई है। मेरा दल,मेरे नेता बेसब्री से इतंजार कर रहे हैं कि भारतमाला प्रोजेक्ट में वह कोर्ट कब जाएँगे?

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने इस पर कहा कि हम कोर्ट भी जाएँगे। प्रधानमंत्री को भी चिट्ठी लिखेंगे. अब तक मैंने ये नहीं कहा है कि आपके परिवार का नाम भी आ रहा है। अजय चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में किसी आदमी को अब नग्न प्रदर्शन नहीं करना पड़ेगा। लोगों का जीवन सुगम नहीं था. अब ये बजट लोगों के जीवन को सुगम करेगा, इसलिए ही सरकार सुशासन एवं अभिसरण नाम का 58 वाँ विभाग बनाया गया है. हम बजट लेंगे,क्योंकि जनता का जनादेश हमारे पास है। नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी योजना शुरू की गई थी,लेकिन एक रुपए भी बजट का प्रावधान नहीं किया गया था. केंद्रीय फण्ड से एक हज़ार करोड़ रुपए डायवर्ट किए गए थे।

इसके पहले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पिछले बजट में ही 50 फीसदी से भी कम खर्च किया गया है। आपको बजट क्यों चाहिए? इस साल बजट का आकार बस बढ़ गया है। इस बजट पर न मंत्रियों को विश्वास है और न ही अधिकारियों को. क्यूंकि ये बजट सिर्फ आकार बढ़ाने वाला है. खर्च तो होगा नहीं। कई योजनाओं को बंद कर दिया गया है। सरकार को आख़िर बजट क्यों दिया जाए। जब कुछ करना नहीं है।

उन्होंने कहा कि कचरू साहू के मामले में कह दिया गया कि आत्महत्या नहीं है। जबलपुर हाईकोर्ट के निर्देश पर दोबारा पोस्टमार्टम हुई तब स्पष्ट हुआ कि हत्या है। दोषी एसपी पर क्या कार्रवाई हुई? देश के इतिहास में पहली बार कलेक्ट्रेट-एसपी कार्यालय जला दिया गया। कलेक्ट्रेट जलने के बाद दो दिनों तक मलबा हटाने वाले मजदूर की ही गिरफ्तारी कर दी गई। ये कहते हुए कि उसका मोबाइल लोकेशन घटना स्थल पर मिल रहा है। जब कलेक्ट्रेट-एसपी कार्यालय जला दिया जा रहा है तो फिर सरकार को किस बात के लिए पैसा दिया जाए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में विकास का एक काम भी नहीं हुआ है। विधायक तरस गए हैं कि उनके इलाक़ों में कम से कम एक ईट तो रख दी जाए। मुख्यमंत्री के शपथ लेने के पहले ही जंगल काटना शुरू हो गया। ये कौन सी अदृश्य शक्ति है। कोयले को लेकर हम पर 25 रुपए लेने का आरोप लगाया। सरकार में आ गए हैं. एक व्यक्ति के खिलाफ़ कार्रवाई नहीं हुई। अब बाजार में चर्चा है कि 50 रुपए लिया जा रहा है।

उन्होंने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार में स्थिति क्या है? 40 लाख मीट्रिक टन धान की बाज़ार में नीलामी की जा रही है। जब 3100 रुपए देने का फ़ैसला लिया गया है तो भारत सरकार की ज़िम्मेदारी है कि पूरा चावल ले। हमारी सरकार में वक्त नियम कुछ और था और आज नियम बदल दिया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी सदन में महानदी जल विवाद पर चर्चा हुई थी। महानदी जोड़ने की बात ओडिशा सरकार की आपत्ति की वजह से धरी की धरी रह गई। अब तो ओडिशा में भाजपा की सरकार है और दिल्ली में भी भाजपा की सरकार है। ऐसे में अब इस विवाद को समाप्त कर लिया जाना चाहिए। यदि नहीं कर पाए तो ये आपकी नाकाबिलियत है। भूपेश बघेल ने कहा कि धान के मुद्दे पर हम आपसे साथ प्रधानमंत्री के पास चलेंगे। पूरा सदन चलेगा। 40 लाख मीट्रिक टन चावल बाजार में बेचने से साढ़े तीन हज़ार करोड़ रुपए का नुक़सान होगा। यदि आज आप लड़ेंगे तो आगे नतीजे आयेंगे। दलगत भावना से ऊपर उठकर हम काम करेंगे।

सदन में उठा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में अनियमितता का मामला

रायपुर,20 मार्च 2025। विधानसभा में गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक संदीप साहू और कुंवर सिंह निषाद ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में अनियमितता का मामला उठाया। विधायकों ने योजना के नाम पर जमकर गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की। विधायक संदीप साहू ने कहा कि बालोद में एक जगह 16 जोड़ों के विवाह में 33 लाख रुपये खर्च हुए,जबकि नियम के मुताबिक एक जोड़े पर 50 हजार खर्च होना है। इस तरह से 8 लाख खर्च होना चाहिए। वहीं कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि अलग-अलग जगहों पर शादी में नियमों के बजाय अलग-अलग खर्चे हैं. 53 लाख रुपए की गड़बड़ी की गई है। इस पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जवाब देते हुए कहा कि 50 हजार रुपए एक जोड़े पर शादी का खर्च है। पूरी पारदर्शिता से शादी का आयोजन कराया जा रहा है।

भाजपा विधायक ने उठाया पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना में गड़बड़ी का मुद्दा

रायपुर,20 मार्च 2025। विधानसभा में गुरुवार को पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना में गड़बड़ी का मामला उठा। भाजपा विधायक भावना बोहरा ने मुद्दा उठाते हुए कहा कि कोविड काल में केंद्र ने प्रति व्यक्ति 5 किलो चावल दिया था, लेकिन फिर भी लोगों को अनाज नहीं मिला था। इसके साथ विधायक ने जांच की मांग की।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)